दिल्ली पुलिस समाचार

अंक 107 नवम्बर-दिसम्बर, 2015 पंजी० सं० आर-43037/85 दिल्ली पुलिस की घरेलू पत्रिका



Twitter handle of Delhi Police Commissioner Shri Bhim Sain Bassi@Bhim Bassi, Twitter handle of office of the Commissioner of Police@CP Delhi and Twitter handle of Central Police Control Room (CPCR)@Delhi Police

ट्विट्र पर जनता से सीधा संवाद

पुलिस को नागरिकों के प्रति ओर संवदेनशील बनना होगा

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी



लिए उनकी सफलताओं और उपलब्धियों का जश्न मनाना चाहिए। जब नागरिक अपनी उपलब्धियों और खुशियों को पुलिस के साथ मनायेंगे तो निश्चय ही उनमें पुलिस अधिकारियों के कामकाज को लेकर समझ बनेगी और सम्मान का भाव पैदा होगा। पुलिस अधिकारियों द्वारा उनके समर्पण और निस्वार्थः भाव से की गई सेवा की प्रशंसा करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा में आपने अपने कर्तव्य की प्रतिबद्धता को निभाया है। 18 से 20 दिसम्बर के इस तीन दिवसीय वार्षिक सम्मेलन में केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय गृहराज्य मंत्री श्री किरण रिजिजू और केन्द्रीय गृहराज्यमंत्री श्री हरीभाई पार्थी भाई चौधरी के अलावा गृहमंत्रालय और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के पदाधिकारियों ने भी भाग लिया।



20 दिसम्बर, 2015 को कच्छ (गुजरात) में आयोजित 50वीं अखिल भारतीय पुलिस महानिरीक्षक/महानिदेशक सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए **माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी** ने कहा कि पुलिस को सभी नागरिकों के प्रति संवदेनशील होना चाहिए ताकि पुलिस व जनता के बीच परस्पर रिश्ता मजबूत बन सके। उन्होंने कहा कि संवेदनशील पुलिस बल में नागरिकों के प्रति संवदेनशीलता को आत्मसात करने में मदद मिलती है। पुलिस व्यवस्था में लचीली संस्थागत रूपरेखा बनाई जानी चाहिए ताकि पुलिस बल में नागरिकों के प्रति संवदेनशीलता बढ़ाने में मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों को अपने कामकाज में नई तकनीक का इस्तेमाल करना चाहिए और साइबर अपराध, सुरक्षा, डिजिटल तकनीक और सोशल मीडिया की बेहतर समझ उत्पन्न करनी चाहिए। श्री मोदी ने कहा कि पुलिस को लोगों का भरोसा जीतने के

तीन महानगरों के पुलिस आयुक्तों ने आतंकवाद पर अपने विचार सांझा किये।

12 दिसम्बर, 2015 को दिल्ली के **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी**, **मुम्बई के पुलिस आयुक्त श्री अहमद जावेद** और बेंगलुरू के पुलिस **आयुक्त श्री एन.एस. मेघरिख** ने भारत में ही नहीं अपितु विश्वभर में फैल रहे आतंकवाद को लेकर अपने विचार सांझा किये। **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में इस्लामिक स्टेट से आतंकवाद का इतना ज्यादा खतरा नहीं है जितना की सीमा पार सक्रिय खुफिया एजेंसी आईएसआई से भारत को है। भारत में अब तक हुई अधिकांश आतंकवादी घटनाओं को अलकायदा और आईएसआई द्वारा सहायता प्राप्त आतंकी संगठनों द्वारा अंजाम दिया है। मुंबई पुलिस आयुक्त श्री अहमद जावेद ने कहा कि आतंकवाद के लिए लोगों को उकसाने में सोशल मीडिया का बहुत बड़ा हाथ रहा है, क्योंकि सोशल मीडिया के माध्यम से भड़काऊ भाषण, तस्वीरें और अन्य आपत्तिजनक सामग्री अपलोड की जा रही है जिससे युवा वर्ग का ही नहीं बल्कि आम आदमी का भी पथभ्रष्ट हो सकता है। बेंगलुरू के पुलिस आयुक्त श्री मेघरिख ने कहा कि बेंगलुरू शहर तो आईटी का हब है इसीलिए यहां अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां सोशल मीडिया का किस स्तर पर इस्तेमाल होता होगा। हालांकि यहां भी आतंकवाद का खतरा कम नहीं है। इन सबके बावजूद देश के पुलिस बल किसी भी खतरे से निपटने के लिए सक्षम हैं।



श्री अहमद जावेद, श्री भीम सैन बस्सी एवं श्री एन.एस. मेघरिख टीवी के एक कार्यक्रम के दौरान आतंकवाद पर अपने विचार व्यक्त करते हुए

दिल्ली पुलिस ने अपना ट्विटर हैंडल लांच किया



आधुनिकता की तरफ अग्रसर दिल्ली पुलिस आम जनता को अपनी कार्यशैली में शामिल करने के लिए, उनसे सीधे संवाद स्थापित करने के लिए, उनकी समस्याओं का फीड–बैक देने के लिए और परस्पर संबंधों को मजबूत करने की दिशा में विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक संसाधानों और सोशल मीडिया का यथासंभव प्रयोग कर रही है। सोशल मीडिया नेटवर्क के माध्यम से लोगों के साथा ज्यादा से ज्यादा जुड़ने, उनके विचार, सुझाव व शिकायतों को सुनने के लिए **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने 1 दिसम्बर, 2015 को पुलिस मुख्यालय में दिल्ली पुलिस ट्विटर हैंडल लॉच किया। इस मौके पर कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे। पुलिस आयुक्त ने कहा कि पिछले दिनों दिल्ली पुलिस ने जनकल्याण के लिए पीसीसी,लॉस्ट रिपोर्ट, भ्रष्टाचार निरोधक हेल्पलाइन, हिम्मत ऐप जैसी सुविधाएँ ऑनलाइन शुरू की है। इन ट्विटर के शुरू होने से पुलिस अधिकारी संगठित तरीके से सीधे लोगों से जुड़ सकेंगे। ट्विटर हैंडल इस प्रकार होंगेः–Twitter handle of Delhi Police Commissioner Shri Bhim Sain Bassi@Bhim Bassi, Twitter handle of office of the Commissioner of Police@CP Delhi and Twitter handle of Central Police Control Room(CPCR)@Delhi Police. इसके साथ ही विशेष पुलिस आयुक्त (यातायात) श्री मुक्तेश चन्द्र एवं संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) श्री रवीन्द्र यादव भी / jointcp_crimeDP के अलावा भी कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी टिवटर से जुड़े हैं। इन ट्वीटरों का सफलता का अंदाजा तो इसी बात से लगाया जा सकता है कि पुलिस कंट्रोल रूम ट्विटर शुरू होने के मात्र 24 घंटों में ही लगभग 500 ट्वीट किए गए।

दिल्ली के सभी 11 पुलिस जिलों की गतिविधियों को परस्पर जोड़ने के लिए डायनमिक वेब पेज़ का उद्घाटन





16 दिसम्बर, 2015 को **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने पुलिस मुख्यालय में दिल्ली पुलिस के सभी 11 जिलों की गतिविधियों एवं जानकारियों को परस्पर जोड़ने के लिए डायनमिक वेब पेज़ का उद्घाटन किया है। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त (डीजी स्केल) श्रीमती विमला मेहरा, श्री दीपक मिश्रा, श्री धर्मेन्द्र कुमार, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री रवीन्द्र यादव, उपायुक्त पुलिस श्री राजन भगत एवं श्री महेश बत्रा** सहित काफी संख्या में मीडियाकर्मी भी उपस्थित थे। इस डायनमिक पृष्ठ में सभी जिलों का संक्षिप्त विवरण, जिला उपायुक्त पुलिस का जनता के नाम संदेश मय फोटो, प्रैस विज्ञप्तियाँ, जनता के साथ सम्पर्क (सम्पर्क सभा आदि), 'अपनी पुलिस को जानिए' जिसमें थाने का नाम, अधिकार क्षेत्र मानचित्र सहित व दूरभाष नम्बर तथा जिले के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों एवं पुलिस स्टेशनों के दूरभाष नम्बर आदि उपलब्ध है। भविष्य में यह सूचना जनहित में अपडेट की जाती रहेगी। ये सब सूचनाएँ दिल्ली पुलिस की वेबसाइट www.delhipolice.nic.in. पर उपलब्ध होगी और सभी जिला उपायुक्त पुलिस सभी सूचनाएँ वेब पेज़ पर अपने स्तर पर अपडेट करते रहेंगे। जैसा कि आपको स्मरण दिलाया जाता है कि 30 नवम्बर, 2014 को गुवाहाटी (असम) में आयोजित अखिल भारतीय पुलिस महानिदेशक / महानिरीक्षक सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए **माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी** ने आह्वान किया था कि शहीदों की याद में और स्मार्ट पुलिसिंग को लेकर वेब पेज़ की शुरूआत करनी चाहिए। उन्होंने स्मार्ट पुलिसिंग को परिभाषित करते हुए कहा था कि स्मार्ट से मेरा अभिप्रायः एस–स्ट्रिक्ट एंव सेंसटिव (कठोर एवं संवदेनशील) एम–मॉडर्न एवं मोबाइल (आधुनिक एवं चलित) ए–अलर्ट एवं अकाउंटेबल (सजग एवं जिम्मेवार), आर–रिलायबल एंव रिस्पांसिव (विश्वसनीय और प्रतिक्रिया देने वाली) तथा टी–टेक्नो सेवी एंड ट्रेंड (तकनीक एवं प्रशिक्षण)। माननीय प्रधानमंत्री जी के उन्हीं शब्दों को अपनी कार्यशैली में आत्मसात् करते हुए दिल्ली पुलिस ने पहले ही ''शहीद स्मरणोत्सव पृष्ठ'' की शुरूआत पहले ही कर दी थी। नवीनतम तकनीक का जनकल्याण में अधिकतम प्रयोग करने की दिशा में दिल्ली पुलिस ने डायनमिक वेब पेज् की शुरूआत की है।

इसी अवसर पर **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने दिल्ली पुलिस को जनसेवक पुलिस के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक ओर बड़ा कदम उठाते हुए वाहन चोरी की ई–एफआईआर मोबाइल एप्लीकेशन का भी उद्घाटन किया। दिल्ली के नागरिकों को वाहन चोरी होने पर अपने मोबाइल से खुद ही ई–एफआईआर दर्ज करने की सुविधा मुहैया कराई है। यानि इस मोबाइल एप्लीकेशन के शुरू होने पर लोग मोबाइल के माध्यम से भी ई–एफआईआर दर्ज कर सकेंगे। यह मोबाइल एप्लीकेशन एंड्रायॅड, आईओएस और विंडो ऑपरेटिंग सिस्टम पर काम करेगी। इस नए एप की मदद से ई–मेल पर शिकायतकर्ता, एसएचओ, संबंधित अदालत, पीसीआर, समस्त जिला पुलिस उपायुक्त, राज्य परिवहन प्राधिकरण, राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो, राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो सहित देश के सभी एसएसपी को संदेश भेज सकेगा। पुलिस आयुक्त, दिल्ली ने 16 अप्रैल व 7 अगस्त, 2015 को इस सुविधा के प्रथम व द्वितीय चरण की शुरूआत की थी। वाहन चोरी की ऑनलाइन एफआईआर दर्ज करने, ईमेल पर एफआईआर की प्रति प्राप्त करने व मामले की जॉच ऑन लाइन देखने की सुविधा देने वाला दिल्ली शहर देश का नहीं बल्कि विश्व का पहला शहर होगा। इसी दिन शाम को संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) श्री रवीन्द्र यादव ने डायनमिक वेब पेज् की मदद से सभी जिलों के उपायुक्त पुलिस के साथ वीडियो कॉंफ्रेंसिंग के माध्यम से सीधी बात की और जनहित में जारी इस पृष्ठ की सफलता पर विचार–विमर्श किया।

नार्थ एवेन्यू थाने का लोकसभा आवासीय समिति के चेयरमैन एवं सांसद श्री मेघवाल द्वारा उद्घाटन।



6 नवम्बर, 2015 को **लोकसभा आवासीय समिति के चेयरमैन श्री अर्जुन राम मेघवाल** ने नई दिल्ली जिला में नवनिर्मित नॉर्थ एवेन्यू थाने का उद्घाटन किया। इस अवसर पर **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी, विशेष पुलिस आयुक्त (डीजी स्केल) श्री दीपक मिश्रा, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री मुकेश मीणा, उपायुक्त पुलिस श्री जतिन नरवाल** के अलावा भारी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, जवान एवं मीडियाकर्मी उपस्थित थे। सांसद एवं सेवानिवृत आईएएस अधिकारी श्री अर्जुन मेघवाल ने उपस्थित अधिकारियों एवं जवानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि थाने में शिकायतकर्ता या किसी भी आगंतुक के साथ सौम्य एवं एक मददगार के रूप में व्यवहार होना चाहिए। लोग छोटी हो या बड़ी अपनी समस्या के समाधान के लिए पुलिस से काफी अपेक्षाएँ रखते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी जी की गुड गवर्नेंस नीति के तहत पुलिस में सुधार और अच्छे प्रशासन के लिए सरकार द्वारा यथासंभव प्रयास किया जाएगा। पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने नए थाना परिसर के लिए जगह आवंटन में श्री मेघवाल के योगदान के प्रति आभार प्रकट किया और कहा हर थाने में शिकायत लेकर आने वाले को अच्छे व्यवहार का अनुभव होना चाहिए। विशेष कर महिलाओं की शिकायतों के लिए अलग से व्यवस्था के साथ–साथ उनके प्रति गंभीरता होनी चाहिए। पुलिस आयुक्त महोदय ने कहा कि नॉर्थ एवेन्यू के आसपास सांसदों के निवास स्थल, राम मनोहर लोहिया अस्पताल व अन्य महत्वपूर्ण सरकारी भवन होने के कारण यह क्षेत्र काफी संवेदनशील और महत्वपूर्ण हैं।



दिल्ली पुलिस का नाम लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड में दर्ज हुआ।



26 नवम्बर, 2015 को अब तक देश में की सबसे बड़ी लूट (22.5 करोड़ रुपये) की वारदात को मात्र 10 घंटों में सुलझाते हुए केवल 10 हजार 500 रुपये छोड़ कर अधिकांश रकम की बरामदगी करने पर दिल्ली पुलिस का नाम लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड में दर्ज हुआ हैं। दिल्ली पुलिस के लिए प्रशंसा की बात है कि पुलिस के काम को पहचाना गया। दक्षिणी–पूर्वी जिला पुलिस टीम ने इस वारदात को अल्पसमय में सुलझाये जाने पर **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने स्वंय ट्विटर पर इसकी जानकारी साझा की और पुलिस टीम को शाबाशी दी। 2 जनवरी, 2016 को लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड के सीओ ने **विशेष पुलिस आयुक्त (डीजी स्केल) श्री दीपक मिश्रा** को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर **संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री आर. एस. कृष्णैया, उपायुक्त पुलिस श्री मंदीप सिंह रंधावा** भी उपस्थित थे।

पूर्वी जिले में सुरक्षा-व्यवस्था मजबूत करने के उद्देश्य से सीसीटीवी कैमरों के लिए पुलिस को सांसद निधि से 1.57 करोड़ का अनुदान

पूर्वी जिला के सांसद श्री महेश गिरी ने पूर्वी जिला इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को और ज्यादा मजबूत बनाने और अपराध मुक्त वातावरण मुहैया कराने के उद्देश्य से दिल्ली पुलिस को इलाके में सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए 1.57 करोड़ रूपये का अनुदान दिया है। 23 नवम्बर, 2015 को पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में संयुक्त पुलिस आयुक्त (पूर्वी परिक्षेत्र) **श्री संजय बेनीवाल ने श्री महेश गिरी** के इस सार्थक प्रयास की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। इस मौके पर सांसद महेश गिरी ने कहा कि दिल्ली के निवासियों को सुरक्षित एवं अपराधमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना हमारा नैतिक कर्तव्य है और हम इसके लिए प्रयासरत हैं। श्री संजय बेनीवाल ने कहा कि सीसीटीवी कैमरे लगाने एवं उसके संचालन से मयूर विहार, विवेक विहार जैसे घनी आबादी वाले इलाकों के अलावा दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश की सीमा से होने वाले आवागन पर भी नज़र रखी जा सकेगी।



यातायात पुलिस ने भारी वाहनों के लिए 'नो एंट्री परमिट' ऑनलाइन प्राप्त करने की सुविधा शुरू की



10 नवम्बर, 2015 को **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने टोडापुर स्थित ट्रैफिक लाइन में **'नो एंट्री परिमट'** की अनुमति ऑनलाइन प्राप्त करने के लिए **'ऑनलाइन पोर्टल'** लॉच किया। इस अवसर पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री धर्मेन्द्र कुमार, विशेष पुलिस आयुक्त श्री मुक्तेशचन्द्र, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री संदीप गोयल, अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री शरद अग्रवाल** के अलावा भारी संख्या में यातायात यूनिट के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। प्रवेश निषेध क्षेत्र में व्यवसायिक वाहनों के प्रवेश की अनुमति के लिए अब वाहन चालकों या वाहन मालिकों को परेशानी से निजात मिलेगी। इस पोर्टल के शुरू होने से टोडापुर स्थित यातायात पुलिस मुख्यालय में लोगों की भीड़ कम होने के साथ–साथ समय व श्रम की बचत होगी। इसके साथ ही दिल्ली यातायात पुलिस पर लगने वाले आक्षेपों पर भी पूर्णविराम लगेगा। इस मौके पर पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने कहा कि दिल्ली पुलिस डिजिटल इंडिया के सपने में अपनी भूमिका समझती है और उस पर गंभीरता से काम कर रही है। उसी का परिणाम है कि दिल्ली पुलिस ने पिछले दिनों डिजिटल संबंधी कई एप्स् शुरू करते हुए जनकल्याण के अपने उद्देश्यों को पूरा करने में सफल रही है। ऑन लाइन नो एंट्री परमिट प्राप्ति के लिए प्रोसेसिंग फीस 200 रूपये निर्धारित की गई है। दिल्ली पुलिस की आधिकारिक साइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकेगा। आवेदन प्राप्ति को रशीद को डाउनलोड या प्रिंट किया जा सकेगा। प्रक्रिया पूरी होने के बाद अनुमति प्राप्त करने वाले वाहन मालिक/चालक को ऑनलाइन सूचना भी मिल जाएगी।

गृहमंत्रालय में आयोजित बैठक में महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता से विचार।



दिल्ली पुलिस ने दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा के लिए समय समय सार्थक कदम उठाते हुए कई नई पहल भी शुरू की है। निःशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण, निर्भिक कार्यक्रम, महिला हेल्प डेस्क और हिम्मत एप शुरू करने के अलावा प्रमुख स्थानों पर महिला पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। पिछले दिनों **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने लोकसभा एवं राज्यसभा के सांसदों के एक दल को मानव तस्करी विरोधी और महिलाओं की सुरक्षा के लिए उठाये गये विभिन्न कदमों के बारे में जानकारी दी। केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में केन्द्रीय गृहराज्यमंत्री श्री किरण रिजिजू और श्री हरीभाई प्रार्थी भाई चौधरी भी शामिल थे, पुलिस आयुक्त ने बताया कि सभी पुलिस थानों में 24 घंटे काम करने वाली महिला हेल्प डेस्क पर महिलाओं की शिकायतों को सुना जाता है और उन पर तत्काल कार्यवाही भी की जाती है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में ट्रैफिक पवेलियन का उद्घाटन



16 नवम्बर, 2015 को **विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशासन) श्रीमती विमला मेहरा** ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में ट्रैफिक पेवेलियन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर **विशेष पुलिस आयुक्त (डीजी स्केल) श्री दीपक मिश्रा, विशेष पुलिस आयुक्त श्री मुक्तेशचन्द्र, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री संदीप गोयल, अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री शरद अग्रवाल, उपायुक्त पुलिस श्री रूपेंद्र कुमार एवं श्रीमती श्वेता चौहान** के अलावा भारी संख्या में यातायात पुलिसकर्मी एवं मीडियाकर्मी उपस्थित थे। इस मौके पर श्रीमती विमला मेहरा ने दिल्ली यातायात पुलिस द्वारा स्कूली बच्चों और वाहन चालकों के लिए चलाये जा रहे यातायात जागरूकता अभियान की प्रशंसा की। स्कूली बच्चों ने यातायात नियमों से संबंधित साहित्यक कार्यक्रम, गीत, नुक्कड़ नाटक और कव्वाली पेश कर उपस्थित अधिकारियों एवं दर्शकों का मन मोह लिया। 14 नवम्बर से 27 नवम्बर तक चले इस अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में दिल्ली यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा एवं नियमों से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम चलाये।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में सुरक्षा प्रबंधों के साथ-साथ आमजन की मददगार साबित रही पुलिस



गत वर्ष दिल्ली पुलिस ने अपनी कार्यशैली में आधुनिक तकनीक के अधिकतम उपयोग और महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया।

वर्ष 2015 के दौरान दिल्ली पुलिस ने अपनी कार्यक्षमता बढ़ाने और नागरिकों को अच्छी सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से आधुनिक तकनीक का अपनी कार्यशैली में प्रयोग करने का यथासंभव प्रयास किया। पुलिस के इन प्रयासों से न केवल लाखों आम नागरिक लाभान्वित हुए है, बल्कि कई मामलों में तो देश के साथ–2 विदेशों में भी सराहना हुई है। दिल्ली पुलिस द्वारा अपनी दैनिक कार्यप्रणाली में नवीनतम तकनीक से जुड़े मोबाइल एप्लीकेशनों को शामिल करने से पुलिस पर अकारण परेशान करने, रिपोर्ट दर्ज में आनाकानी करने, रिश्वत मांगने, सीमा क्षेत्र विवाद में उलझने, तथ्यों के साथ तोड़मोड़ करने जैसे आक्षेपों पर स्वतः पूर्ण विराम लगा है बल्कि सफलता प्राप्ति में भी मील का पत्थर साबित हुए दिल्ली पुलिस ने नित् प्रकाश में आ रही नवीनतम तकनीक को अपनी कार्यप्रणाली में शामिल किया है। इससे न केवल नागरिकों के प्रति हमारा उत्तरदायित्व बढ़ा है बल्कि नागरिकों को भी काफी सहूलियतें मिली हैं।



पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने पुलिस आयुक्त के तौर पर अपना दायित्व शुरू करने के बाद 6 जनवरी, 2014 को **"शांति, सेवा, न्याय"** के नए स्लोगन की उद्घोषणा करते हुए दिल्ली पुलिस बल को नई स्फूर्ति व जोश देने का सार्थक प्रयास शुरू किया। पुलिस आयुक्त महोदय का मानना है कि पुलिस अपनी कार्यप्रणाली में इन शब्दों शांति, सेवा, न्याय को चरितार्थ करते हुए आम आदमी के जीवन को आसान बनाने, उनका विश्वास प्राप्त करने में और समाज में अपनी उज्ज्वल छवि स्थापित करने में जरूर सफल होगी। 27 फरवरी, 2014 को तत्कालीन केन्द्रीय गृहमंत्री द्वारा ऑन लाइन **"लॉस्ट रिपोर्ट"** मोबाइल एप्लीकेशन का उद्घाटन करते हुए नवीनतम तकनीक के प्रयोग करने पर दिल्ली पुलिस की प्रशंसा की। इस एप की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि लगभग 20 लाख नागरिकों ने इस वेब/मोबाइल एप्लीकेशन का लाभ उठाते हुए अपनी लॉस्ट रिपोर्ट दर्ज की है।



इसी सफलता से प्रोत्साहित होते हुए दिल्ली पुलिस ने 8 अगस्त, 2014 को **"पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट" (पीसीसी)** नाम से नई मोबाइल/एप की शुरूआत की। **केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह** द्वारा उद्घाटित इस नई वेब एप्लिकेशन को भी नागरिकों ने सराहा और उसका भरपूर लाभ उठाया। इस पीपीसी एप से भी अब तक 1.44 लाख से ज्यादा नागरिक इसका लाभ उठा चुके हैं। दिल्ली पुलिस ने समय के साथ अपनी सोच को विश्व स्तर पर बढ़ रही नवीनतम तकनीक के साथ आगे बढ़ाया है।



7 अगस्त, 2015 को शायद देश में नहीं बल्कि विश्व में पहली बार ऑन लाइन **"एंटी ऑटो थेफ्ट"** एप्लीकेशन की शुरूआत कर एक क्रांतिकारी जनकल्याण योजना शुरू की। जिसमें वाहन चोरी से पीड़ित व्यक्ति दिल्ली पुलिस वेबसाइट पर एम.वी थेफ्ट ई–एफआईआर रजिस्टर आईकॉन पर जाकर अपनी ई–मेल/मोबाइल फोन/लैपटॉप व कम्प्यूटर की मदद से वाहन चोरी की रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज कर सकते हैं। इस एप की मदद से न केवल एफआईआर दर्ज करने की सुविधा पर सीमित न होकर कंप्यूट्रीकृत जांच को देखा भी जा सकता है और मामले की अनट्रैस रिपोर्ट की माननीय अदालत (ई–कोर्ट) में इलेक्ट्रॉनिकेली भेजी जा रही है।



1 जनवरी, 2014 को दिल्ली पुलिस ने महिलाओं की सुरक्षा में नए मापदंड स्थापित करते हुए **"हिम्मत एप"** की शुरूआत की। दिल्ली पुलिस हिम्मत एप से जुड़ी महिलाएँ/छात्राएँ अपनी शिकायतें भेजने, विपत्ति के समय ऑडियो/विडियो की रिकॉर्डिंग खुद–ब खुद तीस सैंकड में पुलिस कंट्रोल में प्रेषित होना और संकट में फंसी महिला को यथासंभव कम से कम समय में निकट के पुलिस स्टेशन द्वारा मदद उपलब्ध कराना जैसे महत्वपूर्ण कदम शामिल हैं। इसके अलावा महिलाओं के हितों पर काम करने वाले संगठनों/स्वंयसेवी संस्थाओं आदि के साथ परस्पर संवाद स्थापित करने में भी पुलिस ने कभी कोई संकोच नहीं किया। इसमें कोई संदेह नहीं कि दिल्ली पुलिस दिल्ली में महिलाओं/छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने, सुरक्षित वातावरण मुहैया कराने और अपनी आत्मरक्षा में प्रशिक्षित करने के लिए पूर्णतया प्रतिबद्ध हैं। दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर वर्ष निशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने के अलावा सभी थानों में महिला हेल्प डेस्क, सीमा विवाद समाप्त, शिकायत को अक्षरशः दर्ज कराना, आत्मरक्षा प्रशिक्षण की सीडी का निःशुल्क वितरण करना, नॉडल आफिसर नियुक्त करना, महिला केन्द्रित स्थानों पर महिला पुलिसकर्मियों को तैनात करना, प्रमुख स्थानों को चिन्हित करना, पीसीआर वैन में महिला पुलिसकर्मियों को तैनात करना, फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित करने के लिए न्यायालय में अनुरोध करना, थाना लेवल पर कमेटी नियुक्त करना, महिला हेल्पलाइनों की संख्या बढ़ाना, गैर सरकारी संगठनों/संस्थानों से सम्पर्क बनाए रखना, नाइट क्लबों/डिस्कों को निर्धारित समय पर बंद करना, सार्वजनिक वाहनों के चालकों व अन्य स्टाफ की फोटो व विवरण आदि वाहन में प्रदर्शित करने के लिए बाध्य करना और समय समय पर बीपीओज़ को दिशा–निर्देश जारी करना, प्लेसमेंट एजेंसियों पर निगरानी रखना, विशेष वेबसाइट की शुरूआत करना व 29 अगस्त 2005 को उत्तर–पश्चिमी जिला में शुरू की गई **"परिवर्तन योजना"** को पुनः सक्रिय करना इत्यादि महिलाओं की सुरक्षा में उठाये गये महत्वपूर्ण कदम हैं।



अपराध शाखा द्वारा 16 दिसम्बर, 2014 को शुरू किये **"ऑपरेशन मिलाप"** को भी दिल्ली व आसपास के राज्यों में काफी सराहा गया। ऑपरेशन मिलाप के तहत अपने परिजनों से बिछड़े बच्चों का पुनर्मिलाप कराया जाता है। गुमशुदा बच्चों की मदद के लिए चौबीसों घंटे हेल्पलाइन नं0 1291/1094/23241210 प्रारंभ करने के साथ सभी थानों में 2 बाल किशोर, बाल कल्याण अधिकारी नियुक्त किये गये हैं। अपराध शाखा के ऑपरेशन मिलाप की कार्यशैली के काफी रचनात्मक परिणाम सामने आये हैं और 200 से भी ज्यादा गुमशुदा बच्चों को उनके परिजनों से मिलाकर पुलिस

ने मानवीय पहलुओं के प्रति अपनी संवदेना और गंभीरता को प्रदर्शित किया है। 3 अगस्त, 2015 को दिल्ली पुलिस ने जनहित में एक ओर कदम बढ़ाते हुए **''चरित्र प्रमाण व वेब ऐप''** की शुरूआत की। जिसके तहत सरकारी, गैर सरकारी, अर्ध–सरकारी व सार्वजनिक संस्थानों में नौकरी के लिए या अन्य उद्देश्यों के लिए चरित्र प्रमाण पत्र प्राप्त किया जा सकता है।



8 मार्च, 2015 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर दिल्ली पुलिस द्वारा **'अब नहीं है डरना'** कार्यक्रम शुरू किया गया। माननीय केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थित इंडोर स्टेडियम में इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए दिल्ली पुलिस अपनी अहम भूमिका को बखूबी निभा रही है। महिलाओं में सुरक्षा की भावना मजबूत करने की दिशा में भी दिल्ली पुलिस ने बेहतरीन कार्यक्रम शुरू किये हैं। गतवर्ष अगस्त माह में उत्तरी जिला व मध्य जिला में पुलिस ने महिलाओं/छात्राओं के साथ अभद्र व्यवहार करने, अश्लील हरकत करने या छेड़छाड़ करने वाले मनचलों के लिए खिलाफ ऑपरेशन शिष्टाचार व मिशन मनचला चलाये। इन दोनों ऑपरेशन्स से दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं में आत्मविश्वास का संचार हुआ और पुलिस के प्रति एक मददगार की सोच उत्पन्न हुई। इसके अलावा 26 जुलाई, 2015 को मध्य जिला में ऑपरेशन भरोसा चलाया गया। जिसके अंतर्गत भारी संख्या में वरिष्ठ एवं कनिष्ठ पुलिसकर्मियों ने इलाके में पैदल गश्त कर स्थानीय नागरिकों, दुकानदारों, रेहड़ी–पटडी वालों से सीधा सम्पर्क साधा। ऑपरेशन भरोसा पर तत्काल लोगों की प्रतिक्रिया मिली और उसे काफी सराहा गया।



दिल्ली पुलिस भ्रष्टाचार के उन्मूलन के लिए न केवल प्रतिबद्ध है परन्तु अपनी प्रतिबद्धता को पूर्ण करने के लिए भ्रष्टाचार में लिप्त कर्मचारियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक एवं कानूनी कार्यवाही करती है। दिल्ली पुलिस ने टोल फ्री नं0 1064 जारी करने के अलावा भ्रष्टाचार से संबंधित ऑडियो/वीडियो भेजने के लिए एक विशेष दूरभाष नं0 9910641064 भी जारी किया है। लोगों को भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूक करने और निसंकोच होकर अपनी शिकायतें भेजने के लिए समय–समय पर विज्ञापन भी जारी किये जा रहे हैं। अभी हाल में सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज़ द्वारा किये गये सर्वेक्षण के अनुसार जहां वर्ष 2013 में 80 प्रतिशत लोग भ्रष्टाचार से पीड़ित थे वहीं वर्ष 2015 में हुए सर्वे के अनुसार यह केवल 34 प्रतिशत रह गया है और भ्रष्टाचार के स्तर में 57.5% की गिरावट आई है।



17 जुलाई, 2015 को **केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री श्री हरिभाई पार्थी भाई चौधरी** ने दिल्ली पुलिस (रेलवे) द्वारा रेलयात्रियों की सुविधा के लिए शुरू की गई हेल्पलाइन 1512 का लोकार्पण करते हुए दिल्ली पुलिस के इस प्रयास की सराहना की। 27 राज्यों एवं 7 केन्द्र शासित प्रदेशों में रेलयात्री अपनी यात्रा के दौरान घटित किसी भी घटना या परेशानी की शिकायत हेल्पलाइन नं0 1512 पर दर्ज करा सकते हैं। रेलयात्री अपनी शिकायत दूरभाष 8750871512 पर व्हाट्सअप कर सकते हैं। इस हेल्पलाइन के शुरू होने से रेलयात्री अपने साथ हुई किसी भी घटना की जानकारी पुलिस में देने के लिए यात्रा को बीच में बाधित करने की जरूरत नहीं बल्कि अपने गंतव्य स्थान पर पहुंच कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। 21 अगस्त, 2015 को पुलिस आयुक्त ने दिल्लीवासियों विशेषकर वाहन चालकों के लिए **''ट्रैफिक एसएमएस अलर्ट''** सेवा शुरू की। इस निःशुल्क सेवा के लिए नागरिक दूरभाष नं0 9811452220 पर एसएमएस भेज कर स्वयं को दिल्ली ट्रैफिक के साथ रजिस्टर करके दिल्ली में होने वाले धरना–प्रदर्शन, जुलूस, सड़क हादसा, वाहन खराब होने, मार्ग परिवर्तित होने जैसी जरूरी



8 मई, 2014 को माननीय उपराज्यपाल श्री नजीब जंग द्वारा दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की **''मोबाइल एप्लीकेशन व अपग्रेडिड वेबसाइट''** का उद्घाटन किया। मोबाइल फोन उपयोगकर्ता इंटरनेट की मदद से गुगल प्ले स्टोर, विंडो स्टोर और एप्पल एप स्टोर पर जाकर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस इस की हेल्पलाइन से जुड़ सकते हैं और सड़क के प्रयोगकर्ता ट्रैफिक संबंधित अलर्ट, ऑटो/टैक्सी का किराया, गंतव्य स्थान का नक्शा, चालक द्वारा दुर्व्यवहार, जाने से मना करने व ज्यादा किराया वसूलने की शिकायतें दर्ज कराने के अलावा अन्य जानकारियाँ हासिल कर सकते हैं। दिल्ली जैसे घनी आबादी वाले शहर में सफल यातायात संचालन भी किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं हैं। परन्तु दिल्ली ट्रैफिक पुलिस अपने सीमित संसाधानों की मदद कि 33 हजार किमी लम्बी सड़कों पर दिन–रात दौड़ने वाले विभिन्न प्रकार के लगभग 85 लाख वाहनों को सुचारू रूप से संचालित करने का हर संभव प्रयास करती है।



28 अगस्त, 2015 को **'वन टच अवे'** की शुरूआत कर दिल्ली पुलिस ने दिल्लीवासियों को अपनी बेहतर सेवाएँ देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की। दिल्ली शहर को सुरक्षित एवं स्मार्ट बनाने की दिशा में दिल्ली पुलिस द्वारा आरम्भ किया गया **'वन टच अवे'** यानि मात्र एक क्लिक की दूरी पर पुलिस उपलब्ध'' पुलिस व जनता के बीच परस्पर विश्वास के नए आयाम स्थापित करने में अहम भूमिका अदा कर रहा है। **''वन टच अवे''** एप पर दिल्ली पुलिस से जुड़े सभी महत्वपूर्ण टेलीफोन नम्बर, वरिष्ठ अधिकारियों के मोबाइल नं0, ई–मेल ,आईडी व पते आदि की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ–साथ अब तक शुरू की गई मोबाइल एप्लीकेशनों के बारे में जानकारी दी गई है।



30 दिसम्बर, 2014 को केन्द्रीय गृहराज्यमंत्री श्री किरण रिजिजू ने पुलिस मुख्यालय में पूर्वोत्तर राज्यों के नागरिकों की समस्या से निपटने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से विचार–विमर्श किया। उस समय निर्णय लिया गया था कि वर्ष 2015 के दौरान सभी पूर्वोत्तर राज्यों से 10 महिला व 10 पुरूष पुलिस कर्मियों की भर्ती के लिए विशेष अभियान चलाते हुए 160 लोगों की भर्ती की जाए। इसके लिए सभी 8 पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा गया था। इसी श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए असम राज्य से भर्ती की प्रक्रिया को पूरा किया जा रहा है। पूर्वोत्तर राज्य के नागरिकों और छात्रों को सुरक्षित एवं सौम्य माहौल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक विशेष दस्ते का गठन किया गया, चौबिसों घंटे–सातों दिन हेल्पलाइन 1093 की शुरूआत करने के साथ–साथ व्हाट्अप के माध्यम से शिकायत दर्ज कराने के लिए विशेष दूरभाष नं0 9810083486 प्रकाशित किया गया। दिल्ली पुलिस ने नार्थ–ईस्ट फोकस' फेसबुक पेज़ की भी शुरूआत की है।

अच्छी तफ्तीश

दिल्ली के इतिहास में सबसे बड़ी 22.5 करोड़ रूपये की लूटमात्र 12 घंटों में सुलझाने में पुलिस टीम को मिली बड़ी कामयाबी।

पुलिस आयुक्त द्वारा पुलिस टीम को 2 लाख रूपये पुरस्कार की घोषणा।



26 नवम्बर, 2015 की दोपहर विकासपुरी स्थित एक्सिस बैंक की करंसी चेस्ट से 9 बक्सों में 22 करोड़ 50 लाख रूपये लेकर निकली कैश वैन अचानक लापता हो जाने से पुलिस विभाग में हडकंप मच गया था। दिल्ली के इतिहास में हुई इतनी बड़ी लूट की वारदात से न केवल दक्षिण–पूर्वी जिला की पुलिस टीमें, बल्कि अन्य यूनिटों की टीमें भी सक्रिय हो गई थी। इसी बीच दक्षिण पूर्वी जिला पुलिस के उपायुक्त श्री मनदीप सिंह रंधावा के मार्गदर्शन में अति0उपा0पुलिस श्री विजय कुमार, श्री प्रणव तायल, एसीपी जगबीर सिंह, श्री अशोक सरोहा, इंस्पेक्टर नरेश सोलंकी, अरविंद कुमार, नरेश कुमार, मनिंदर, मुकेश कुमार, एसआई मनमीत मलिक, गुरजीत, संजीव, राजेन्द्र डागर, जीतेंन्द्र मलिक, हैडकां0 जीतेंद्र व कां नरेन्द्र मलिक आदि की टीम ने इस वारदात को बड़ी संजीदगी, पेशेवर निपुणता के साथ इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और लोकर इंटेलीजेंस की मदद से महज 12 घंटों के अंदर सुलझाने में एक बड़ी कामयाबी हासिल की। त्वरित तरीके से सुलझाने में भानदार सफलता अर्जित की है। इस संबंध में **संयुक्त पुलिस आयुक्त (दक्षिण–पूर्वी परिक्षेत्र) श्री आर.एस.कृष्णैया** ने संवाददाताओं को विस्तार से बताया कि सिक्युरिटी एंड इंटेलिजेंस सर्विसेज (एसआईएस) की एक कैश वैन को लेकर प्रदीप शुक्ला नामक चालक मात्र एक गनमैन विनय पटेल के साथ ओखला फेज़ 1 स्थित एसआईएस कंपनी के हैड ऑफिस के लिए निकला था। दोपहर लगभग साढ़े तीन बजे गनमैन विनय पटेल श्रीनिवासपुरी के निकट लघुशंका आदि के लिए वैन से नीचे उतर गया। इसी बीच चालक प्रदीप शुक्ला कैश वैन को लेकर लापता हो गया। गनमैन ने एसआईएस के मैनेजर को बताया। कई घंटे बीत जाने के बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस टीम सक्रिय हुई और कोटला मुबारक पुर पहुंची जहां से जानकारी मिली कि प्रदीप शुक्ल ओखला के निकट हरकेश नगर में परिवार सहित रहता है। पुलिस टीम हरकेश नगर इलाके में उसके परिवार के पास पहुंची और उसकी पत्नी श्रीमती शशिकला से कुछ जानकारी ली। पुलिस टीम को प्रदीप शुक्ला के एक दोस्त अजीत से प्रदीप के ओखला में किसी गोदाम में आने–जाने के बारे में जानकारी मिली। सुबह लगभग 4 बजे पुलिस टीम ने गोदाम में छापा मारा तो वहां प्रदीप शुक्ला व कैश बॉक्स सुरक्षित मिल गये। 9 में से 8 बॉक्स सुरक्षित मिले और एक बॉक्स से क्लिप हटाकर प्रदीप शुक्ला ने मात्र 10 हजार 500 रूपये निकाले और उन रूपयों से एक घड़ी, शराब व किचन आदि खरीदा और कुछ पैसे दोस्तों में बांट दिये। पूछताछ पर प्रथमदृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि इस बड़ी वारदात को प्रदीप शुक्ला ने अकेले ही अंजाम दिया है। जांच में पता चला कि गोदाम किसी व्यापारी का है और रामसूरत नामक चौकीदार से प्रदीप शुक्ला की जानकारी थी। हालांकि रामसूरत ने जब प्रदीप शुक्ला से बॉक्स के बारे में पूछा तो उसने बहाना बना दिया। अल्पसमय में पाई इस बड़ी सफलता पर पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी नें टीम के सभी सदस्यों को शाबाशी देते हुए 2 लाख रूपये के पुरस्कार की घोषणा की।

ईस्ट ऑफ कैलाश में बुजुर्ग दम्पति हत्याकांड सुलझाने में सफलता

दक्षिणी–पूर्वी जिले में लाजपत नगर सब–डिविजन के एसीपी श्री सतीश कुमार कैन के नेतृत्व में इंस्पेक्टर अरूण देव नेहरा, इंस्पेक्टर नरेश कुमार, इंस्पेक्टर अरविंद कुमार यादव, इंस्पेक्टर शिवराज बिष्ट, व एसआई संदीप गोधरा, श्री निवास, नरेन्द्र व सहदेव की टीम ने 12 नवम्बर, 2015 को ईस्ट ऑफ कैलाश में हुई एक बुजुर्ग दम्पति की सनसनीखेज हत्या की वारदात सुलझाने और घर से लूटे गये सोने के कड़े, मंगलसूत्र, झुमके चेन व नगदी आदि बरामद करने में शानदार सफलता अर्जित की है। इस संबंध में उपायुक्त पुलिस दक्षिण–पूर्वी जिला श्री एमएस रंधावा ने संवाददाताओं को विस्तार से बताया कि घटना वाले दिन लूट के इरादे से घर मे घुसे बदमाशों ने 85 वर्षीय मनोहर लाल मदान व 80 वर्षीय श्रीमती विमला मदान की तेजधार वाले हथियार से हत्या कर दी थी। पूर्वी परिक्षेत्र के संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री आर. एस.कृष्णैया ने बताया कि 12/13 नवम्बर की रात लगभग 2 बजे मृतक दम्पति के पुत्र ने देखा कि कुछ बदमाश उसके माता–पिता वाले फ्लोर पर टार्च की लाईट में कुछ ढूंढ रहे हैं। पीड़ित दम्पति का पुत्र जब भू–तल पर अपने माता–पिता के पास पहुंचा तो उसने पाया कि उसके माता–पिता मृत पड़े हुए है और घर में लूटपाट की हुई है। इस संबंध में थाना अमर कॉलोनी में मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष टीम का गठन कर मामले की तत्काल जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज और इलाके के आपराधिक पृष्टभूमि वाले बदमाशों की लोकशन आदि के साथ–साथ इलेक्ट्रानिक सर्विलांस की मदद से गाजियाबाद निवासी मो. हेमंत और गाजीपुर निवासी राजा के बारे में जानकारी मिली कि घटना के समय दोनों बदमाश इलाके में मौजूद थे। पुलिस टीम ने दोनों को सराय काले खां इलाके से गिरफ्तार करते हुए उनसे कड़ी पूछताछ की और वारदात में शामिल तीन अन्य साथियों को पकड़ लिया। पूछताछ पर पता चला कि अभियुक्तों ने लूटपाट के दौरान बुजुर्ग दम्पति के नींद से जागने पर कड़ा विरोध किया और शोर मचाये जाने पर बदमाशों ने तेजधार वाले हथियार से उनकी हत्या कर दी। पुलिस टीम की त्वरित कार्यवाही और अच्छी सूझबूझ को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने काफी सराहा है।

अपराध शाखा ने नकली 'देसी घी' की फैक्ट्री का पर्दाफाश करते हुए 2.5 टन घी व भारी मात्रा में पैकिंग का सामान बरामद करने में सफलता मिली।

अपराध शाखा के अति0आयुक्त पुलिस श्री आलोक कुमार के मार्गदर्शन व उपायुक्त पुलिस श्री राजीव शर्मा के नेतृत्व में एसीपी श्री एन.के.मीणा की टीम इंस्पेक्टर सुरेन्द्र दलाल, एसआई विपिन यादव, एसआई शिवराज त्यागी, एएसआई आई सुखबीर सिंह, सतविन्द्र, बलजीत सिंह व हैडकां0 सुनील, दीपक, प्रदीप मनीष, शिवचरण तथा कां0 सुरेश, अजय मनोज व रविकुमार ने पश्चिम विहार में चल रही एक नकली देसी घी की फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए 2.5 टन नकली घी व भारी मात्रा में पैंकिग का सामान बरामद करने में शानदार सफलता पायी हैं। संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) श्री रवीन्द्र यादव ने इस संबंध में विस्तार से बताया कि एसएमसी फूडस् प्रा0 के एक अधिकृत प्रतिनिधि ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ निर्माता/दुकानदार दिल्ली में देसी घी बना कर बाजार में बेचने के अवैध धंधे में संलिप्त हैं। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाही करते हुए उत्तम नगर में छापा मार कर आशीष अग्रवाल नामक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से भारी मात्रा में नकली देसी घी व पैकिंग का सामान बरामद किया। आशीष अग्रवाल ने पुलिस टीम द्वारा पूछताछ पर बताया कि पश्चिम विहार निवासी नरेश गोयल नकली देसी घी बनाने की फैक्ट्री चला रहा है। पुलिस टीम ने पश्चिमी विहार स्थित फैक्ट्री पर छापा मार कर दुग्ध से निर्मित खाद्य सामग्री, मधुसूदन व मदर डेयरी जैसे प्रसिद्ध ब्रांडों का पैकिंग का सामन बरामद किया गया। दोनों गिरफ्तार व्यापारियों ने पूछताछ पर बताया कि उन्हें विभिन्न प्रसिद्ध देसी घी निर्माता कंपनियों के रैपर, पोली पैक व डिब्बे आदि मुर्तजा उर्फ अरमान नामक व्यक्ति मुहैया कराता था। पुलिस टीम ने बिरजपुरी, पुराना मुस्तफाबाद स्थित फैक्ट्री में छापा मार कर मुर्तजा को नकली रैपरों, डिब्बों और पोली पैक सहित गिरफ्तार कर लिया। त्यौहारों के मौसम में लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले इन अभियुक्तों की गिरफ्तारी से लोगों में काफी राहत महसूस की गई और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने टीम के सदस्यों को शाबासी दी।

अच्छी कामयाबी

अपराध शाखा ने व्ट्सऐप, ईमेल व वीबर आदि की मदद से संवेदनशील दस्तावेज और गोपनीय सूचनाएँ आईएसआई को भेजने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई।

अपराध शाखा की एक टीम ने 26 नवम्बर, 2015 को एक गुप्त सूचना के आधार पर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से कैफेतुल्लाह खान नामक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से सेना व एयरफोर्स से जुड़े कई अति संवेदनशील दस्तावेज बरामद करने में सफलता अर्जित की है। पुलिस टीम को पूछताछ पर पता चला कि अभियुक्त जम्मू कश्मीर में एलओसी के करीब कलाई गांव का रहने वाला हैं और उसी गांव में रहने वाला उसकी बुआ का लड़का अब्दुल राशिद बीएसएफ की इंटेलिजेंस विंग में बतौर हैडकां0 तैनात है। राशिद पैसे लेकर गुप्त सूचनाएँ खान को देता था और खान उन सूचनाओं को पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव को उपलब्ध करा देता था। गिरफ्तारी के समय खान भोपाल में होने वाले देश–विदेश के मौलवियों के धार्मिक जलसे में शामिल होने के लिए जा रहा था। खान सभी गुप्त सूचनाओं को इलेक्ट्रानिक संसाधनों की मदद से पड़ोसी मुल्क को भेजता था। गिरफ्तार अभियुक्त पाक खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों को ''भाईजान' आर्मी को ''डाक्टर'' और बीएसएफ को ''सर्जन''व लीक हुए दस्तावेजों को 'एक्सरे' जैसे कोडवर्डो से सम्बोधित करते थे। पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार आंतकवादी संगठनों के लिए काम करने वाले इन दोनों गद्दारों से पूछताछ पर जानकारी हासिल हुई है कि उनका एवं उनके सहयागियों का इरादा था कि दिल्ली सहित देश के विभिन्न हिस्सों में आंतकी वारदातों को अंजाम देना था। इस संबंध में पुलिस टीम ने तफ्तीश के दौरान ऐसी संदिग्त गतिविधियों में संलिप्त लोगों को गिरफ्तार करने में भी बेहतरीन सफलता मिली है।

उत्तर–पश्चिमी जिला पुलिस ने एक सूत्रहीन हत्याकांड का 24 घंटे में पर्दाफाश करते हुए दोषियों का खुलासा किया।

उत्तर–पश्चिमी जिला ने 28 नवम्बर, 2015 को मुकुंदपुर इलाके में एक 25 वर्षीय फैशन डिजाइनर लड़की के अपहरण और हत्या की सूत्रहीन वारदात को मात्र 24 घंटे में सुलझाने में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। उपायुक्त पुलिस श्री विजय सिंह ने इस संबंध में विस्तार से बताया कि दुष्कर्म, अपहरण व हत्या जैसी घृणित वारदात को एक नाबालिग व उसके साथी अभिमन्यू ने अंजाम दिया था। थाना भलस्वा डेयरी इलाके के मुकुंदपुर पार्ट–1 स्थित एक मकान में हुई इस वारदात को सुलझाने में एसीपी (प्रशिक्षु आईपीएस) श्री प्रशांत गौतम, एसीपी श्री राजेन्द्र ओझा, एसीपी श्री ओमबीर सिंह, इंस्पेक्टर मनोज कुमार, इंस्पेक्टर अनिल बेरवाल, इंस्पेक्टर अरूण कुमार, इंस्पेक्टर सतीश कुमार, एसआई राजेन्द्र सिंह, हैडकां0 विनोद कुमार, हैडकां0 प्रदीप कुमार, कां0 दीपक, कां0 कुलदीप, कां0 संजय व कां0 समुंद्र ने अहम भूमिका निभाई। मामले की जांच के दौरान पता चला कि वारदात को अंजाम देने वाले मुख्य नाबालिग अभियुक्त ने घटना वाली रात अपने कुछ दोस्तों के साथ बैठक शराब पी। जब उसके तीन साथी चले गये तो नाबालिग अभियुक्त ने अपने एक दोस्त अभिमन्यू को बताया कि पड़ोस में रहने वाली एक लड़की घर में अकेली सो रही है। दोनों रात्रि के समय छतों को फांदते हुए लड़की के घर में प्रवेश कर गये और गला दबा कर उसके साथ दोनों ने दुष्कर्म किया। गला दबाने से बेहोश हुई लड़की को कुछ देर बाद होश आया तो उसने चिल्लाने का प्रयास किया। इसी बीच दोनों ने मिलकर पीड़ित लड़की का गला दबा कर हत्या कर दी और उसके शव को एक चादर में लपेट कर अपने कंधों पर जंगल में ले गये। वहां भी अभियुक्तों ने पीड़ित के शव के साथ यौनाचार किया। घटना के समय पीड़ित के परिजन यूपी स्थित अपने गांव में होने वाले ग्राम पंचायत चुनाव में वोट डालने गये हुए थे और पीड़ित घर में अकेली थी। पीड़ित लड़की इलाहबाद से फैशन डिजाइनिंग का कोर्स कर दिल्ली में नौकरी की तलाश में थी। इस सनसनीखेज व घृणित वारदात के बाद स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश उत्पन्न हो गया था और उन्होनें विरोधस्वरूप राष्ट्रीय राजमार्ग तक जाम कर दिया था। पुलिस टीम ने अपनी पेशेवर निपुणता, अच्छी सूझबूझ और त्वरित कार्रवाही से इस वारदात को 24 घंटे में सुलझाकर लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास पैदा किया।

हत्या व दुष्कर्म जैसी घृणित वारदात को अंजाम देकर छद्म भेष में कानपुर के सीमेंट गोदाम में काम रह रहे बदमाश को धर दबोचा

उत्तर–पश्चिमी जिला पुलिस की टीम एसीपी जहांगीरपुरी (आईपीएस) श्री प्रशांत गौतम के नेतृत्व में एसीपी श्री आर.के.ओझा, इंस्पेक्टर भारत मीणा, इंस्पेक्टर अनिल बेरवाल, इंस्पेक्टर श्याम सुन्दर, इंस्पेक्टर राजेश कुमार, इंस्पेक्टर राजीव रंजन, हैडकां0 प्रवीण, जीतराज व कां0 महेशचंद तथा महीपाल की टीम ने 14 नवम्बर, 2015 को स्वरूप नगर इलाके में हुई एक नाबालिग लड़के की हत्या,उसकी चचेरी बहन से दुष्कर्म व हत्या के प्रयास में मुख्य आरोपी को कानपुर रेलवे स्टेशन के निकट सिमेंट गोदाम से गिरफ्तार करने में कामयाबी पायी है। **उपायुक्त पुलिस (उत्तर पश्चिमी जिला) श्री विजय सिंह** ने पुलिस टीम की तफ्तीश और अथक प्रयासों की प्रशंसा करते हुए बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त पीड़ित लड़की द्वारा उससे शादी न किये जाने से नाखुश था। इसीलिए उसने एक योजना के तहत उसने ''मेरी नहीं तो किसी की नहीं' सोच कर उससे दुष्कर्म का प्रयास किया। अभियुक्त जब दुष्कर्म का प्रयास कर रहा था तो उस समय मौके पर मौजूद पीड़ित लड़की के चचेरे नाबालिग भाई ने पुरजोर विरोध किया। अभियुक्त ने लोहे की राड़ मार कर उस नाबालिग की हत्या कर दी और दुष्कर्म के बाद पीड़ित लड़की को भी गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपी के साथ काम मजदूरी का काम करने वाले बहुत से मजदूरों से पूछताछ की। इसी पूछताछ के दौरान ज्ञात हुआ कि अभियुक्त कानपुर स्थिति सीमेंट फैक्ट्री में लोडिंग का काम कर रहा है। हैडकां0 प्रवीण ने मूलरूप से सहरसा बिहार के रहने वाले राजकुमार उर्फ राजू नामक व्यक्ति को उस समय पहचान लिया जब वह चेहरा ढ़क कर सीमेंट बैग लोड़ कर रहा था।

स्पेशल सेल की एक जाबांज टीम ने मुठभेड़ के बाद एक लाख रूपये के ईनामी बदमाश सत्यप्रकाश उर्फ सत्ते को धर–दबोचा

स्पेशल सेल के **उपायुक्त पुलिस श्री संजीव कुमार यादव** के मार्गदर्शन में **इंस्पेक्टर मनोज दीक्षित और इंस्पेक्टर शिव कुमार** की टीम ने 8 दिसम्बर, 2015 को न्यू अशोक नगर इलाके में स्थित धर्मशिला अस्पताल के निकट से एक कुख्यात बदमाश सत्यप्रकाश उर्फ सत्ते को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से 9 एमएम की एक अत्याधुनिक पिस्टल व 6 जिंदा कारतूस बरामद करने में बेहतरीन कामयाबी हासिल की है। 9 अक्टूबर, 2015 को नंद नगरी इलाके में हुई एक घृणित हत्या के आरोप में वांछित इस अभियुक्त की गिरफ्तारी पर दिल्ली पुलिस आयुक्त ने एक लाख रूपये के पुरस्कार की घोषणा की थी। इस संबंध में **संयुक्त पुलिस आयुक्त (स्पेशल सेल) श्री विवेक गोगिया** ने संवाददाताओं को विस्तार से बताया कि पुलिस टीम ने एक पुख्ता सूचना के आधार पर कई आपराधिक वारदातों में शामिल सत्यप्रकाश उर्फ सत्ते को उसके साथी कुरूवेश पहलवान सहित गिरफ्तार करने में अच्छी सफलता पाई है। गिरफ्तार अभियुक्त सत्यप्रकाश उर्फ सत्ते ने अपने एक प्रतिद्वंदी और आपराधिक पृष्ठभूमि वाले अमित उर्फ सोनू चिकना की गोली मार कर हत्या कर आपराधिक क्षेत्र में अपनी श्रेष्ठता सिद्व करने का प्रयास किया था। जांच के दौरान पुलिस टीम को पता चला कि गिरफ्तार गिरोह सरगना सत्यप्रकाश डकैती,लूटपाट व जबरन वसूली के लगभग 70 मामलों में संलिप्त था। 19.01.2009 को दक्षिणी जिला के स्पेशल स्टाफ ने ग्रीन पार्क में हुई एक मुठभेड़ के बाद इस अभियुक्त को उसके साथियों सहित गिरफ्तार किया था। इस मुठभेड़ में कई अपराधी व पुलिसकर्मी घायल हुए थे। लगभग 7 वर्ष जेल में बिताने के बाद यह बदमाश मई 2015 में जमानत पर जेल से बाहर आया था। जेल से बाहर आने के बाद पुनः आपराधिक वारदातों में सक्रिय हो गया। स्पेशल सेल की टीम द्वारा निरंतर ऐसे बदमाशों को गिरफ्तार करने व उन पर अकुंश लगाने की सफलता से आपराधिक छवि के लोगों में काफी भय व्याप्त हुआ है। पुलिस टीम की कार्यवाही सर्वथा प्रशंसनीय है।

अच्छी तफ्तीश

पंजाब पुलिस की हिरासत से फरार अभियुक्त दिल्ली में अपराध शाखा के हत्थे चढ़ा।

अपराध शाखा के **अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री आलोक कुमार** की देखरेख में **उपायुक्त पुलिस श्री भीष्म सिंह** ने **एसीपी केपीएस मल्होत्रा, इंस्पेक्टर एसएस संधू, एसआई नीरज कुमार, एसआई संदीप यादव, एएसआई जयप्रकाश** व टीम के अन्य सदस्यों ने 20 अगस्त, 2015 को पंजाब पुलिस की हिरासत से फरार हुए बदमाश को 3 दिसम्बर, 2015 को दिल्ली से गिरफ्तार करने में शानदार सफलता हासिल की है। पंजाब व हिमाचल प्रदेश में हत्या, लूटपाट, दंगा–फसाद जैसे लगभग 13 आपराधिक मामलों में शामिल अभियुक्त गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी किसी तरह पासपोर्ट बनवाकर यूरोप भागने की जुगत में दिल्ली आया था। इस संबंध में **संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) श्री रवीन्द्र यादव** ने विस्तार से बताया कि हत्या व लूट की वारदात में उम्रकैद की सजा पाया यह बदमाश पंजाब पुलिस की हिरासत से फरार हो गया था जब पुलिस टीम उसे पटियाला जेल से होशियारपुर अदालत में ले जा रही थी। गिरफ्तार बदमाश गुरप्रीत सिंह रास्ते में एक होटल में खाना खाने के दौरान पुलिसकर्मियों को चकमा देकर फरार हो गया था। अपराध शाखा की टीम को सूचना मिली थी कि पंजाब पुलिस की हिरासत से फरार एक कुख्यात बदमाश दिल्ली में अपने किसी रिश्तेदार की मदद से पासपोर्ट और वीजा हासिल करने आएगा। तुरंत कुछ जोशीले और होशियार पुलिस अधिकारियों और कर्मियों की एक टीम तैयार की गई और इस टीम ने अभियुक्त को करनाल बाईपास के पास से धर–दबोचा।

चेन झपटमार व लूटेरे को पकड़ो और 10 हजार का इनाम पाओ

उत्तरी जिला उपायुक्त पुलिस श्री मधुर वर्मा ने जिले के अधिकारियों एवं कर्मियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं कि जिले के सभी अधिकारी एवं कर्मी अपने दायित्व को पूरी मुस्तैदी और कानूनसम्मत निष्पादित कर रहे हैं। परन्तु नित् इजाद हो रही नवीनतम तकनीक के चलते कुछ असामाजिक तत्व/अपराधी प्रवृति के लोग उसका नाज़ायज इस्तेमाल कर रहे हैं। इसीलिए पुलिसकर्मियों को भी अपनी सोच व काम करने के तरीके को और ज्यादा व्यापक करते हुए आधुनिक तकनीक से अपटेड रहना चाहिए। इस मौके पर उन्होंने पुलिसकर्मियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा जो भी पुलिसकर्मी किसी चेन झपटमार या लूटेरे को पकड़ेगा उसे पुरस्कार स्वरूप 10 हजार रूपये नकद व प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा जो पुलिसकर्मी और ज्यादा उत्कृष्ट और सूझबूझ व बहादुरी भरे कार्यो को अंजाम देंगे उन्हें असाधारण कार्य पुरस्कार व बारी से पहले पदोन्नति दिये जाने की संस्तुति की जाएगी। यदि कोई टीम या पुलिसकर्मी संयुक्त रूप से मिलकर ऐसे कार्यो को अंजाम देंगे पुरस्कार की राशि बराबर बांट दी जाएगी। उत्तरी जिला में एक युवा पुलिसकर्मियों की एक जगुआर टीम गठित की गई है।

आम नागरिक की हिम्मत और पुलिस की त्वरित कार्यवाही नि:संदेह बदमाशों पर भारी पड़ती है।

20 नवम्बर, 2015 को पूर्वी जिले के शकरपुर इलाके में बाईक सवार दो हथियारबंद बदमाशों ने दिनदहाड़े भीड़ में एक लड़की से पिस्टल की नोंक पर उसकी चेन लूटने का प्रयास किया। अचानक हुई इस वारदात से चकित आक्षी यादव नामक छात्रा एक बार तो सहमी परन्तु हिम्मत के साथ शोर मचाते हुए अपने बैग से पिस्टल को नीचे गिरा दिया और बदमाश पर झपट पड़ी और उसे दबोच लिया। इस विपरित परिस्थिति को देखते हुए दूसरा बदमाश मौके से भाग लिया। पुलिस को जानकारी मिलने पर तत्काल मौके पर पहुंची और भीड़ की मार से बदमाश को मुक्त कराते हुए उसके दूसरे साथी की तलाश में जुट गई। मौके पर पकड़े गये बदमाश की पहचान राजस्थान के चुरू निवासी मुकेश उर्फ सुरेश के रूप में हुई। यह बदमाश करीब आधा दर्जन आपराधिक वारदातों में संलिप्त बताया गया है। आक्षी यादव का कहना था कि जब बदमाशों ने मुझ पर पिस्तौल तानी तो मेरे पास दो ही विकल्प थे कि या तो में डटकर विरोध करूं या फिर लूट का शिकार बन जाऊं। परन्तु एक फौजी परिवार से संबंध होने के कारण मुझे विरोध करने का साहस आया और मैं बदमाशों से भिड़ गई। इस बहादुर लड़की की न केवल स्थानीय नागरिकों ने बल्कि पुलिस टीम ने काफी प्रशंसा की और उसके हौसले को सलाम किया।



बाहरी जिला के स्पेशल स्टाफ टीम ने को एक खूंखार बदमाश अमित को संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार करने में कामयाबी मिली

बाहरी जिला के **एसीपी ऑपरेशन श्री रणबीर सिंह खत्री के नेतृत्व में इंस्पेक्टर महावीर सिंह, एएसआई अनिल कुमार, हैडकां0 नरेश, परमिन्दर, वेदप्रकाश, नीरज राणा तथा कां0 संदीप ,कां0 राजबीर, कां0प्रवीण व कां0 राजेन्द्र** की टीम ने 4 दिसम्बर, 2015 को लूट की एक वारदात में वांछित बदमाश अमित कुमार को गिरफ्तार करने में शानदार सफलता अर्जित की है। इस संबंध में उपायुक्त पुलिस बाहरी जिला श्री विक्रमजीत सिंह ने संवाददाताओं को विस्तार से बताया कि अभियुक्त ने अपने साथियें के साथ 18 अक्टूबर, 2015 की दोपहर लिबासपुर अंडरपास के निकट प्रशांत विहार के रहने वाले एक चावल व्यापारी से 9 लाख रूपये लूट लिये थे। पुलिस टीम ने इस लूटपाट की वारदात की जांच के दौरान 21 नवम्बर, 2015 को एक गुप्त सूचना के आधार पर स्वरूप नगर निवासी संदीप उर्फ सन्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो पता चला कि पहले भी कई आपराधिक वारदातों में संलिप्त अमित कुमार लूटपाट की वारदात का मुख्य षडयंत्रकर्ता था। इसी बीच पुलिस टीम को जानकारी मिली कि अमित कुमार अपने साथियों के साथ वैगन–आर कार में स्वरूप नगर स्थित धर्मशाला रोड़ पर आएगा। पुलिस टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए वैगन–आर कार को रोकना चाहा। परन्तु उसमें सवार बदमाश कार से उतर कर भाग लिये और एक बदमाश प्रदीप उर्फ विक्की ने पुलिस पार्टी पर गोलियॉ चला कर भागने का असफल प्रयास किया। पहले से चौकन्ने और कर्तव्यनिष्ठ पुलिसकर्मियों ने अपनी जान की परवाह न करते हुए उन्हें दबोचने में सफलता अर्जित की। पुलिस टीम को उसकी बहादुरी और अच्छी सूझबूझ के लिए समुचित पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है।

रेप का विरोध करने पर ड्रग्स का इंजेक्शन देकर महिला की हत्या के आरोप में नाइजीरियन दम्पति सहित 4 गिरफ्तार

दक्षिण पश्चिमी जिला के **एसीपी श्री ओमप्रकाश शर्मा व एसीपी श्री बी. एस.दहिया** के नेतृत्व में थाना बिंदापुर और थाना डाबरी की एक संयुक्त टीम ने 13 दिसम्बर, 2015 को **इंस्पेक्टर रामचन्दर, इंस्पेक्टर सुरेन्द्र सिंह चहल, इंस्पेक्टर हरेन्द्र मलिक, इंस्पेक्टर रमेश कुमार, इंस्पेक्टर राजकुमार, एसआई नवीन कुमार, एसआई मुकेश कुमार, एसआई सुरेन्द्र, एसआई पवन,एएसआई बिजेन्द्र, हैडकां0 चेतराम, महेश व कां0 अनिल, महेन्द्र, अन्नू** व **पवन** की टीम ने इलाके में हुई एक 25 वर्षीय महिला की हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए एक नाइजीरियन दम्पति सहित 4 लोगों को गिरफ्तार करने में शानदार सफलता पाई है। जाँच के दौरान पुलिस टीम को जानकारी मिली कि नशीले पदार्थो की आदी दो महिलाएँ उत्तम नगर के निकट राजापुरी में रहने वाले एक नाइजीरियन दम्पति के पास अक्सर नशीले पदार्थ लेने जाती थी। घटना वाले दिन भी दोनों महिलाएँ जब नाइजीरियन दम्पति के मकान पर पहुंचे तो वहां पहले से ही अन्नू व कन्नू नामक दो ग्राहक मौजूद थे। ड्रग्स लेने के बाद उन दोनों ने इन महिलाओं के साथ बलात्कार करने का प्रयास किया। जिसका दोनों महिलाओं ने डटकर विरोध किया। इस पर दोनों ग्राहकों ने नाइजीरियन दम्पति की मदद से एक महिला को ड्रग्स का दोहरा इंजेक्शन दे दिया। ओवरडोज़ होने से उसकी मृत्यु हो गई। मृत्यु होने पर चारों ने मिलकर महिला के शव को मधु विहार के निकट गंदे नाले में फेंक दिया। **उपायुक्त पुलिस श्री आर.ए.संजीव** ने संवाददताओं को बताया कि मृतक महिला अपने परिवार से अलग दिल्ली में रहती थी जबकि उसका परिवार हरियाणा में रहता है। पुलिस टीम ने कन्नू व अन्नू को फतेहबाद (हरियाणा) से दबाचा जबकि नाइजीरियन दम्पति को द्वारका मोड़ से उस समय दबोचा जब वे फरार होने का प्रयास कर रहे थे। नाइजीरियन दम्पति अवैध रूप से दिल्ली में रह रहा था और पबों व क्लबों में ड्रग्स आदि सप्लाई के धंधे में संलिप्त था।

अच्छी कामयाबी



पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने 3 नवम्बर, 2015 को पूर्वी जिला की एसटीएफ टीम को अपने कार्यालय में बुलाकर शाबाशी देते हुए भविष्य के लिए प्रोत्साहित किया। **इंस्पेक्टर के.जी. त्यागी** के नेतृत्व में एसटीएफ टीम ने एक सनसनीखेज सेंधमारी की वारदात में शामिल 65 बंगलादेशी बदमाशों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से 15 लाख रूपये कीमत के जेवरात व 40 हजार रूपये की नकदी बरामद करने में शानदार सफलता पाई थी। इस अवसर पर **विशेष पुलिस आयुक्त (डीजी स्केल) श्री धर्मेन्द्र कुमार, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री संजय बेनीवाल, उपायुक्त पुलिस भैरों सिंह गुज्जर** सहित काफी संख्या में अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं टीमकर्मी उपस्थित थे।

स्पेशल सेल, केन्द्रीय सुरक्षा एजेंसियों एवं यूपी के एटीएस ने संयुक्त कार्रवाही करते हुए अलकायदा से जुड़े आतंकवादियों को गिरफ्तार करने में बड़ी कामयाबी हासिल की।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के इंस्पेक्टर संजय दत्त, उमेश भरथवाल, कैलाश बिष्ट व राहुल कुमार की टीम ने केन्द्रीय सुरक्षा एजेंसियों एवं उत्तर प्रदेश के एटीएस (एंटी टेरिस्ट स्कवॉयड) ने मिलकर एक संयुक्त कार्रवाही के तहत आतंकी संगठन अलकायदा के भारत में मुखिया (इंडियन सब कांटिनेंट यूनिट के चीफ) मोहम्मद आसिफ को सीलमपुर इलाके से गिरफ्तार करने में एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। इस संबंध में विशेष पुलिस आयुक्त श्री अरविंद दीप एवं संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री विवेक गोगिया ने 16 दिसम्बर, 2015 को पुलिस मुख्यालय में संवाददाताओं को विस्तार से बताया कि टीम के सदस्यों ने उत्तर प्रदेश के संभल के रहने वाले मोहम्मद आसिफ को सीलमपुर से और दूसरे आतंकी अब्दुल रहमान को उड़ीसा के कटक से गिरफ्तार करने में बेहतरीन सफलता अर्जित की है। रहमान को ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली लाया गया है। आसिफ से बरामद लैपटॉप और तीन मोबाइल फोन बरामद हुए थे। लैपटॉप में जेहाद से जुड़े वीडियो, ऑडिया और अन्य आपतिजनकी सामग्री बरामद की है। मोहम्मद आफिस अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर दिल्ली, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटका, पश्चिमी बंगाल, महाराष्ट्र व झारखंड आदि में आतंकवादी नेटवर्क तैयार करने की कोशिश कर रहा था। सोशल मीडिया नेटवर्क साइट्स की मदद से देश के विभिन्न इलाकों से लगभग 50 लोगों को अपने सम्पर्क में लिया हुआ था। जिन्हें जेहाद से जुड़े साहित्य, ऑडियो, वीडियो व अन्य आपत्तिजनक सामग्री दिखा कर दुष्प्रभावित व दिग्भ्रमित करने का प्रयास कर रहे थे। मोहम्मद आसिफ जून 2013 में संभल के ही रहने वाले अलकायदा के भारतीय उपमहाद्वीप के चीफ सनाउलहक उर्फ मौलाना आसिम उमर के बुलावे पर अलकायदा संगठन ज्वाइन करने पाकिस्तान गया था। वहा उसने पाकिस्तान–अफगानिस्तान सीमा पर कई महीनों का आतंकी प्रशिक्षण प्राप्त किया आसिम उमर वर्ष 1995 में संभल को छोड़कर पाकिस्तान चला गया और वहां जाकर आतंकी गतिविधियों में संलिप्त हो गया। वर्ष 2014 में आंतकवादी गतिविधियों को बखूबी निभाने पर अलकायदा संगठन ने उमर को बड़ा ओहदा देते हुए (आमीर) बना दिया। सितंबर 2014 में अलकायदा के मुखिया अयमान अलजवाहरी द्वारा पोस्ट किए गए किसी वीडियो के बाद सुरक्षा एजेंसियाँ आसिफ की तलाश कर रही थी। 14 दिसम्बर 2015 को सूचना मिली थी कि आसिफ दिल्ली मे वेलकम इलाके में किसी खास मकसद से आने वाला हैं। पहले से ही सतर्क संयुक्त टीम के सदस्यों ने सीलमपुर फ्लाईओवर के निकट से उसे दबोच लिया। अक्टूबर 2014 में मौलाना आसिफ उमर ने मोहम्मद आसिफ को भारत में अलकायदा का चीफ घोषित करते हुए भारत में अलकायदा का बेस तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी थी। मोहम्मद आसिफ वजीरिस्तान से ईरान और इस्तानबुल पहुंचा। इस्तानबुल पहुंच कर उसने भारतीय दूतावास में पहुंचकर बताया कि उसका पासपोर्ट आदि गुम हो गया जहां उसे आपात प्रमात्र पत्र की मदद से भारत भेज दिया गया।

नाबालिग से दुष्कर्म एवं हत्या के प्रयास की वारदात सुलझाने में सफलता



संयुक्त पुलिस आयुक्त (दक्षिण–पश्चिम परिक्षेत्र) श्री दीपेन्द्र पाठक एवं उपायुक्त पुलिस (पश्चिमी जिला) श्री पुष्पेन्द्र कुमार ने 21 नवम्बर, 2015 को उत्तम नगर से लापता हुई एक 14 वर्षीय नाबालिग लड़की के अपहरण, सामूहिक दुष्कर्म एवं उसकी हत्या के प्रयास की वारदात को सुलझाने वाली पुलिस टीम को शाबाशी दी। एसीपी श्री दिनेश शर्मा एवं एसटीएफ के इंस्पेक्टर गिरीश कौशिक ने अपनी टीम के साथ इस वारदात में शामिल दो अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में अहम भूमिका निभाई। अभियुक्तों ने इस नाबालिग लड़की को उत्तम नगर इलाके से अपहरण कर ग्रेटर नोएडा में बंधक बनाकर दुष्कर्म किया और बाद में गोली मारकर एक कुएं में फैंक कर फरार हो गये।

15 सर्वश्रेष्ठ बीट हैडकां0/कांस्टेबल प्रशस्ति पत्र एवं नकद पुरस्कार से सम्मानित

24 नवम्बर, 2015 को पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेशानुसार 15 पुलिसकर्मियों को सर्वश्रेष्ठ बीट हैडकां/कांस्टेबल घोषित करते हुए प्रशस्ति पत्र एवं नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। विशेष पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था एवं समन्वय) श्री दीपक मिश्रा की अध्यक्षता में गठित चयन समिति द्वारा निम्नलिखित हैडकां/कांस्टेबल को सर्वश्रेष्ठ बीट कांस्टेबल चुना गया है। कांस्टेबल ओमपाल थाना सागरपुर दक्षिण–पश्चिम जिला 12 हजार रूपये। हैडकां0 सहदेव थाना गांधी नगर पूर्वी जिला 9 हजार रूपये। हैडकां0 अनिल कुमार थाना सीलमपुर उत्तर–पूर्वी जिला 10 हजार रूपये। कां0 मनोज कुमार थाना आर.के.पुरम दक्षिणी जिला 9 हजार रूपये। कां0 विरेन्द्र थाना ओखला इंडीस्ट्रीयल एरिया 9 हजार रूपये, कां0 रविन्द्र थाना ख्याला पश्चिमी जिला 8 हजार रूपये। कां0 बबलू मीणा व कां0 भगत सिंह मीणा थाना मौर्या एन्कलेव उत्तर–पश्चिमी जिला 9 हजार रूपये। कां0 विजय थाना कमला मार्केट मध्य जिला 8 हजार रूपये। कां0 प्रदीप कुमार थाना मंगोलपुरी बाहरी जिला 8 हजार रूपये। कां0 प्रवीण कुमार थाना लाहौरी गेट उतरी जिला 10 हजार रूपये। हैडकां0 जोगेन्द्र थाना मन्दिर मार्ग 9 हजार रूपये। कां0 खुशिक कुमार रोड सेफ्टी सेल यातायात 8 हजार रूपये। कां0 अशोक कुमार, महिला कां0 शुकंतला व कां0 चालक राकेश पीसीआर प्रत्येक को 9–9 हजार रूपये तथा हैडकां0 शिब्बू वी.आर. नई दिल्ली रेलवे स्टेशन 9 हजार रूपये।

हैडकां0 संदीप अहलावत को तैराकी प्रतियोगिता में कांस्य पदक



प्रथम वाहिनी में तैनात हैडकां0 संदीप अहलावत ने दिल्ली स्टेट मास्टर्स स्वीमिंग प्रतियोगिता में अपनी उम्र की बाधा को पीछे छोडते हुए कांस्य पदक जीता है। सैक्टर–6, आर.के.पुरम स्थित सर्वोदय स्कूल में बने पूल में आयोजित इस स्वीमिंग प्रतियोगिता में विभिन्न आयुवर्ग के तैराकों ने हिस्सा लिया। अंतरराष्ट्रीय स्वीमिंग प्रतियोगिता में पदक विजेता एवं सीआरपीएफ से सेवानिवृत डीआईजी श्री खजान सिंह ने हैडकां0 संदीप अहलावत को कांस्य पदक जीते जाने पर ट्राफी देकर सम्मानित किया।

सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति रेवा खेत्रपाल दिल्ली लोकायुक्त नियुक्त



सेवानिवृत्त **न्यायमूर्ति रेवा खेत्रपाल** को दिल्ली की लोकायुक्त नियुक्त किया गया। **उपराज्यपाल माननीय श्री नज़ीब जंग** ने 17 दिसम्बर, 2015 को न्यायमूर्ति रेवा खेत्रपाल को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। 5 वर्ष के लिए लोकायुक्त नियुक्त हुई सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति का कार्यालय जी ब्लाक, विकास भवन, आईपी एस्टेट, आईटीओ पर स्थित है व दूरभाष नं0 23370570 / 23370865 / फैक्स नं0 23378155 है। वर्ष 1997 में बार काउंसिल में अधिवक्ता के रूप में अपना कैरियर शुरू करने वाली सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति रेवा खेत्रपाल ने 16 दिसम्बर, 2012 को बंसत विहार में हुए सामूहिक दुष्कर्म व हत्या की वारदात का महत्वपूर्ण फैसला देने वाली सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति रेवा खेत्रपाल का जन्म शिमला में हुआ और उनकी स्नातक की शिक्षा दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस में हुई।



11 नवम्बर 2015, को लिबेरियन नेशनल के इंस्पेक्टर जनरल श्री ऐटी.सी. क्लेरेन्स मशकुई ने पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी से शिष्टाचार भेंट की। परस्पर विचार-विमर्श के बाद पुलिस आयुक्त श्री बस्सी ने श्री मशकुई को स्मृति चिन्ह् भेंट किया।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ रात्रि गश्त के दौरान मातहत पुलिसकर्मियों में जोश का संचार

25 नवम्बर, 2015 की रात कार्यवाहक पुलिस आयुक्त श्रीमती विमला मेहरा, विशेष पुलिस आयुक्त श्री दीपक मिश्रा, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री एस.के. गौतम, उपायुक्त पुलिस मधुर वर्मा, उपायुक्त पुलिस श्री परमादित्य, दोनों जिलों के अति.उपा.पुलिस, एसीपी, थानाध्यक्ष एवं अतिरिक्त थानाध्यक्षों ने **"स्पेशल चैकिंग ड्राइव"** चलाया। रात्रि 11 बजे से सुबह तक चली इस गश्त में डयूटी कर रहे मातहत पुलिसकर्मियों में नए जोश का संचार हुआ। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बेरीकेट, पिकेट व चौकियों आदि का निरीक्षण किया। पुलिस अफसरों के गश्त के दौरान साथ रहने पर स्थानीय लोग काफी प्रभावित दिखाई दिये।



9 दिसम्बर, 2015 को मालवीय नगर स्थित, सातवीं वाहिनी (पीटीसी) परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। **उपायुक्त पुलिस श्री एस.के.तिवारी** के नेतृत्व में आयोजित इस रक्तदान शिविर में 68 पुलिसकर्मियों ने स्वैच्छा से रक्तदान किया। दिल्ली में जरूरतमंद लोगों के लिए रक्त उपलबध कराने के लिए दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला / यूनिटों में समय समय पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाता रहा है।

कां. बिजेन्द्र सिंह के सुपुत्र ने राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक पर कब्जा किया।



पूर्वी जिला के थाना वेलकम में तैनात कां0 बिजेन्द्र सिंह के सुपुत्र शेखर सिंह ने 21 से 24 नवम्बर, 2015 के बीच रायगढ़ (छत्तीसगढ़) में आयोजित सीबीएसई नेशनल ताइक्वांडो प्रतियोगिता में 14 वर्ष आयु वर्ग व 40 किलोवर्ग भार में कांस्य पदक जीत कर अपनी खेल प्रतिभा का परिचय दिया है। शेखर सिंह ने अपनी खेल प्रतिभा का परिचय देते हुए अक्टूबर माह में अलीगढ़ में आयोजित नेशनल ताइक्वांडो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत कर उपरोक्त प्रतियोगिता में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की थी। कां0 बिजेन्द्र सिंह के सुपुत्र शेखर सिंह वर्ष 2016 होने वाली राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता की तैयारी में जी–जान से जुटे हुए हैं।



सुनहरी यादें : वर्ष 1990 में दिल्ली पुलिस में शामिल होने वाले सिपाहियों ने अपनी 25वीं वर्षगांठ पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाई। इस अवसर पर उन्होंने अपने सेवानिवृत्त उस्ताद जी को भी अपनी शानदार यादों में शामिल किया।





2 नवम्बर 2015 को दक्षिण-पश्चिमी जिला द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षा में प्रशिक्षित स्कूली छात्राओं ने प्रशिक्षण के दौरान सीखे गए गुरों का शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान सेल्फ डिफेन्स टैक्नीक की विभिन्न विद्याओं का प्रदर्शन करने वाली स्कूली छात्राओं में आत्मविश्वास साफ झलक रहा था। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी, विशेष पुलिस आयुक्त श्रीमती विमला मेहरा, श्री दीपक मिश्रा, श्री सुधीर सिंह यादव एवं श्रीमती एस.सुन्दरी नंदा, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री दीपेन्द्र पाठक, उपायुक्त पुलिस श्री आर.ए. संजीव के अलावा भारी संख्या में विभिन्न स्कूलों की छात्राएं उपस्थित थीं। दिल्ली पुलिस महिलाओं की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है। अपनी इसी प्रतिबद्धता को पूरी निष्ठा से पूरा करने के लिए दिल्ली पुलिस लैंगिंग संवेदी, आधुनिक तकनीक ऐप व निशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रम आयोजित करती रहती है।





10 नवम्बर 2015 को पुलिस मुख्यालय प्रांगण में आयोजित एक कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने पुलिस परिवार के सदस्यों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। पुलिस परिवार के लिए मंगल कामना करते हुए पुलिस आयुक्त महोदय ने कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मी अपनी ड्यूटी को पूरी ईमानदारी और कर्तव्य निष्ठा के साथ निभा रहे हैं। जिसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं। मुझे उम्मीद है कि भविष्य में भी आप अपने दायित्व को इसी सजगता के साथ निभाते रहेंगे।





फोटो : रोज़र

हम भारत के सभी पुलिस अधिकारी सत्यनिष्ठा से प्रतीज्ञा करते हैं कि हम भारत की पुलिस को स्मार्ट पुलिस बनाऐंगे। हम अपनी कार्यशैली में कानून का पालन कड़ाई से कराऐंगे और सभी वर्गो के प्रति चाहे वो शिकायतकर्ता हो या अपराधी हो। हम अति-संवेदनशील वर्ग जैसे बाल, महिला, बुजुर्गो, अनुसूचित जाति एवं जन-जाति के प्रति विशेष रूप से अतिरिक्त संवेदनशील रहेंगे। हम कर्तव्यों का पालन करने के लिए आधुनिक एवं गतिशील संसाधनों को यथासंभव जल्द से जल्द उनके उपयोग को अपनी कार्यशैली में लाऐंगे। हम अपने कार्य का निर्वाहन सतर्कता एवं पूरी जिम्मेदारी से करेंगे। हम अपने कार्य के प्रति निष्ठावान रहेंगे और किसी भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रलोभन का न तो शिकार होंगे न शिकार होने देंगे। हमें सभी वर्गो का भरोसा जीतना है इसके लिए उनकी सभी समस्याओं को जिनके प्रति हम कानूनी एवं सामाजिक रूप से उत्तरदायी हैं पूरी क्षमता से समाधान करने का प्रयास करेंगे। हमारे सामने आने वाली शिकायतों के सभी पहलुओं की जांच धैर्य से करेंगे और यथासंभव कार्यवाही करेंगे। चाहे उनके लिए हमें व्यक्तिगत हितों का त्याग ही क्यों न करना पड़े। हम अपनी कार्यशैली में पारदर्शिता लाने के लिए आधुनिक तकनीकी को अधिक से अधिक प्रयोग में लाऐंगे और उसके लिए जो भी प्रशिक्षण प्राप्त करना आवश्यक होगा उसे प्राप्त करके अपनी कार्यक्षमता का विकास करेंगे ताकि हम जन-जन की सेवा कर सकें।

भ्रष्टाचार के खिलाफ शपथ दिलाते हुए विशेष पुलिस आयुक्त श्रीमती विमला मेहरा।

कड़कड़डूमा कोर्ट परिसर में शहीद हुए हैडकां0 रामकंवर मीणा को पुलिस मुख्यालय प्रागंण में भाव-भीनी श्रद्धांजलि



23 दिसम्बर, को गैंगवार के चलते कड़कड़डूमा अदालत परिसर में हुई गोलीबारी में शहीद हुए हैडकां0 रामकंवर मीणा को 24 दिसम्बर, 2015 की प्रातः पुलिस मुख्यालय प्रांगण में भाव–भीनी श्रद्धांजलि दी गई। शहीद हैडकां0 रामकंवर मीणा के पार्थिव शरीर को ताबूत में रख कर तिरंगे से लपेट कर सम्मानपूर्वक पुलिस मुख्यालय लाया गया। इस गमगीन मौके पर उपराज्यपाल श्री नजीब जंग, केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री श्री हर्षवर्धन राठौर, दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविन्द केजरीवाल, पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी, विशेष पुलिस आयुक्त श्रीमती विमला मेहरा, श्री धर्मेन्द्र कुमार, श्री दीपक मिश्रा सहित भारी संख्या में उपस्थित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने शहीद हैडकां0 रामकंवर मीणा को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उपस्थिति हैडकां0 रामकंवर मीणा के परिजनों और सगे–सबंधियों ने भी अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये।



फोटो : रोकड़





घटना वाले दिन तृतीय वाहिनी में तैनात हैडकां0 रामकंवर मीणा एक कुख्यात विचाराधीन अपराधी इरफान उर्फ छेनू को लेकर कड़कड़डूमा कोर्ट नं. 73 में पेशी के लिए लेकर गये थे। प्रतिद्वंदी गिरोह के चार बदमाशों ने इरफान पर अदालत परिसर में ही कई गोलियाँ चला कर मौत के घाट उतराना चाहा। इसी बीच हैडकां0 रामकंवर ने भी इरफान की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए गोलियों के शिकार हो गये। बदमाशों की गोलियों से गंभीर रूप से घायल हुए हैडकां0 रामकंवर मीणा तथा विचाराधीन कैदी इरफान को निकट के हेडगेवार अस्पताल ले जाया गया जहां हैडकां0 रामकंवर को मृत घोषित कर दिया गया। मूल रूप से गांव नंनगी का बाढ़, इंदिरागढ़, लालवास जिला, जयपुर (राजस्थान) के रहने वाले हैडकां0 रामकंवर वर्ष 2004 में दिल्ली पुलिस में सिपाही पद पर भर्ती हुए और वर्ष 2013 में हैडकां0 पदोन्नत हुए। तीन भाईयों में मंझले रामकंवर वर्तमान में अपने परिवार पत्नी, पुत्र व पुत्री सहित मोहन गार्डन, उत्तम नगर, दिल्ली में रह रहे थे। दिल्ली सरकार ने हैडकां0 रामकंवर के शोक संतप्त परिवार को एक करोड़ रूपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने भी शोक सतप्त परिवार को आश्वासन दिया कि पुलिस प्रशासन की तरफ से हरसंभव सहायता मुहैया कराई जाएगी। जिसमें एक्सिस बैंक, पुलिस शहीदी फंड, एक्सग्रेसिया आदि शामिल हैं।

श्रद्धांजलि

अक्टूबर–नवम्बर माह के दौरान दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/ईकाइयों में तैनात 26 पुलिसकर्मियों की विभिन्न कारणों से सेवाकाल के दौरान असमय मृत्यु हो गई। दिल्ली पुलिस परिवार अपने असमय बिछड़े साथियों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके आश्रितों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता है। **अक्टूबर माह में दिवंगत साथियों में शामिल हैं**:– एसआई नरेश दत्त व कां0 भरत सिंह (पीसीआर), एएसआई राजवीर सिंह व कां0 विक्रमजीत सिंह (सुरक्षा), हैडकां0 सोहन सिंह (दक्षिणी जिला) एएसआई ईश्वर सिंह (उत्तरी जिला), महिला कां0 पूजा (मध्य जिला) कां0 नरेन्द्र कुमार (ट्रैफिक), कां0 सुरेश कुमार (चतुर्थ वाहिनी) **नवम्बर माह में दिवंगत साथियों में शामिल हैं**:– एसआई गंगाराम, एएसआई वेदप्रकाश व एएसआई ईश्वर सिंह (पीसीआर), महिला एसआई नीरा रानी (पीएंडएल), कां0 मनोज कुमार व कां0 रविन्द्र सिंह (पूर्वी जिला) कां0 अनिल कुमार (रेलवे मैट्रो), हैडकां0 अरूण कुमार (डीईसेल), कां0 बाबूलाल (आईजीआई एयरपोर्ट), कां0 बलजीत सिंह (सुरक्षा), कां0 सुरेश कुमार (पीटीसी), हैडकां0 योगेश चन्द्र (संचार शाखा), हैडकां0 नंद किशोर (तृतीय वाहिनी), कां0 विजय पाल सिंह (पश्चिमी जिला तथा कां0 ओमप्रकाश (प्रथम वाहिनी)।

129 दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को अनुकम्पा के आधार पर दिल्ली पुलिस परिवार में शामिल किया गया।

19 अक्टूबर, 2015 को पुलिस मुख्यालय में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की एक कमेटी ने बैठक में निर्णय लेते हुए 129 दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को अनुकम्पा के आधार पर दिल्ली पुलिस परिवार में शामिल किया है। कमेटी में पुलिस आयुक्त, दिल्ली विशेष पुलिस आयुक्त (सामान्य प्रशासन) संयुक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) उपायुक्त पुलिस (सिब्बन्दी) शामिल थे। अनुकम्पा पर शामिल होने वालें में 99 पुरूष कांस्टेबल, 2 चालक तथा 35 महिला कांस्टेबल शामिल हैं।

शहीद साथियों की विस्तृत जानकारी दिल्ली पुलिस एप पर उपलब्ध

10नवम्बर, 2015 को दिल्ली पुलिस के शहीद साथियों को श्रद्धांजलि देने और उनके बारे में विस्तृत जानकारी हासिल करने के उद्देश्य से वेब आधारित एक एप का उद्घाटन किया गया। ''ई–बुक फॉर मार्टियर्स '' नामक इस एप्लिकेशन में समाज में शांति–व्यवस्था बनाए रखने और सुरक्षा के दौरान संघर्ष करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर साथियों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई गई हैं। हालांकि इसी वर्ष 21 अक्टूबर को शहीदी दिवस के दिन पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने दिल्ली पुलिस वेबसाइट पर ''दिल्ली पुलिस शहीद स्मरणात्मक पृष्ठ'' का अनौपचारिक उद्घाटन किया था। जिसकी औपचारिक शुरूआत 10 नवम्बर, 2015 को की गई है।

स्पेशल सेल में तैनात एसीपी द्वारा स्वयं गोली मार कर व उनकी पत्नी द्वारा चौथी मंजिल से कूद कर आत्महत्या कर पुलिस परिवार में शोक की लहर

करने पर पुलिस परिवार में शोक की लहर। 16 नवम्बर, 2015 की रात स्पेशल सेल में तैनात एसीपी श्री अमित सिंह ने अपनी सर्विस रिवाल्वर से स्वयं को गोली मार कर आत्महत्या कर ली। जबकि उनकी पत्नी श्रीमती डॉ0 सरिता सिंह ने भी चौथी मंजिल से कूद कर आत्महत्या कर ली। इस युवा दम्पति की दुःखद मृत्यु पर दिल्ली पुलिस परिवार स्तब्ध एवं दुखी है। मूल रूप से गांव दहियावा टोला, छपरा, बिहार के रहने वाले श्री अमित कुमार वर्ष 2008 बैच के दानिप्स अधिकारी थे और उनकी पत्नी डॉ0 सरिता सिंह दंत चिकित्सक थी। तीन माह पूर्व ही दिल्ली के पटपड़गंज से फ्लैट नं0 403, टॉवर नम्बर–7, लोटस बोलवर्ड अपार्टमैंट, सैक्टर 100 नोएडा में शिफ्ट हुए श्री अमित सिंह ने स्वयं को गोली मार ली। बाद में उनकी पत्नी डॉ सरिता सिंह ने भी चौथी मंजिल से नीचे छलांग लगा दी। जिन्हें गंभीर रूप से घायल अवस्था में सेक्टर 110 स्थित यथार्थ अस्पताल भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान तीसरे दिन उनकी भी दुःखद मृत्यु हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर स्पेशल के संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री विवेक गोगिया और उपायुक्त पुलिस श्री संजीव यादव मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी हासिल की।

इंस्पेक्टर प्रताप सिंह की अकस्मात् मृत्यु

आईजीआई एयरपोर्ट में तैनात इंस्पेक्टर प्रताप सिंह 11 नवम्बर, 2015 को विकास मार्ग पर अपनी कार में मृत पड़े पाये गये। बताया गया है कि आईजीआई एयरपोर्ट थाने में एटीओ पद पर तैनात इंस्पेक्टर प्रताप सिंह अपनी कार में ड्राइविंग सीट पर मृत पड़े पाये गये। मूलरूप से अलवर, राजस्थान निवासी दिवंगत प्रताप सिंह वर्ष 1996 में दिल्ली पुलिस में एसआई पद पर शामिल हुए। वर्तमान में अपने परिवार सहित पुलिस कॉलोनी मॉडल टाउन में रह रहे श्री प्रताप सिंह के शोक संतप्त परिवार में उनकी पत्नी एक अलावा एक पुत्री व एक पुत्र है।

वीआईपी रूट ड्यूटी के लिए जाते समय सड़क हादसे का शिकार हुआ थाना पालम में तैनात कां0 विरेन्द्र सिंह यादव

दक्षिण–पश्चिमी जिला के थाना पालम में तैनात कां0 विरेन्द्र सिंह यादव 13 दिसम्बर,2015 को दिल्ली कैंट इलाके में उस समय सड़क हादासे का शिकार हो गया जब वह अपनी सरकारी मोटरसाइकिल से वीआईपी रूट डयटी देने के लिए अपने प्वांइट की तरफ जा रहा था। दिल्ली कैंट के निकट आर.आर. अस्पताल के पास किसी अज्ञात वाहन ने कां0 विरेन्द्र सिंह की मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। बताया गया है कि टक्कर इतनी भंयकर थी कि उनकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। लगभग 30 वर्षीय विरेन्द्र सिंह वर्ष 2010 में दिल्ली पुलिस में भर्ती हुए थे और वर्तमान में महावीर एन्कलेव में किराये पर रहे थे। मूलरूप से नारनौल के रहने वाले श्री विरेन्द्र सिंह के शोकसंतप्त परिवार में पत्नी, एक पुत्र व एक पुत्री है। दिवंगत कां0 विरेन्द्र सिंह के छोटे भाई भी दिल्ली कैंट थाने में तैनात हैं।

फुर्सत के कुछ पल अपने लिए भी! दिल्ली पुलिस राजपत्रित अधिकारी बैंडमिंटन प्रतियोगिता सम्पन्न।



दिल्ली पुलिस के राजपत्रित अधिकारियों के बीच परस्पर एक बैडमिंटन प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। इस बैडमिंटन प्रतियोगिता में **संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री ए.के.सिंह, श्री रोबिन हिबू, उपायुक्त पुलिस श्री मधुर वर्मा, अति.उपायुक्त पुलिस श्री विजय कुमार, श्री दीपक गौरी व एसीपी (आईपीएस) श्री प्रशांत गौतम व अंकित कुमार** के अलावा पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज, झाड़ौदा कंला में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 9 प्रशिक्षु (आईपीएस) ने भाग लिया। बैडमिंटन प्रतियोगिता में **संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री रोबिन हिबू एवं श्री ए.के.सिंह** की जोड़ी ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। जबकि श्री मधुर वर्मा एवं श्री प्रशांत गौतम की जोड़ी ने श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए जीत को अपने खाते में किया। मिक्स डबल्स में एसीपी श्री सतीश शर्मा एवं थानाध्यक्ष मौरिस नगर आर.सी. शर्मा की जोड़ी विजयी रही। इस खेल प्रतियोगिता को सम्पन्न कराने में स्पोर्ट्स संयोजक श्री बाबर खान व कोच भूपेन्द्र सिंह ने अहम भूमिका निभाई। इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए विशेष पुलिस आयुक्त (डीजी स्केल) श्री दीपक मिश्रा ने कहा कि पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों पर काम का मानसिक दबाव बना रहता है और घरों से भी दूर रहना पड़ता है। ऐसी खेल प्रतियोगिताओं से आंतरिक आत्मविश्वास के साथ–साथ शारीरिक शक्ति का संचार भी होता है। समय निकाल कर ऐसी प्रतियोगिताएँ होती रहनी चाहिए।

पूर्वोत्तर राज्यों के छात्रों और दिल्ली पुलिस के बीच हुए दोस्ताना मैच में छात्रों में विश्वास मजबूत हुआ और परस्पर जानने का अवसर मिला



पिछले दिनों दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल कॉलेज के खेल मैदान में पूर्वोत्तर राज्यों के छात्रों और दिल्ली पुलिस के बीच फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। **संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री एस.के.गौतम** ने सिक्का उछाल कर मैच का शुभारंभ कराया। इस मैच में दिल्ली पुलिस टीम का नेतृत्व **उपायुक्त पुलिस श्री मधुर वर्मा** ने किया जबकि इस खेल प्रतियोगिता को सम्पन्न कराने में दिल्ली पुलिस के स्पोर्ट्स संयोजक बाबर खान ने अहम भूमिका अदा की। बेहद रोमांचक और कड़े मुकाबले में पूर्वोत्तर राज्यों के छात्रों की टीम ने 2–0 से मुकाबला जीत लिया। दोनों तरफ से सैकड़ों की संख्या में छात्र और पुलिसकर्मी उपस्थित थे। जिन्होंने बेहद प्रोफेशनल तरीके से खेल रही दोनों टीमों का उत्साहवर्धन किया। ऐसे मैचों से न केवल पूर्वोत्तर राज्यों के छात्रों/निवासियों एवं पुलिस के बीच सद्भावना मजबूत होती है पुलिस को लेकर उत्पन्न होने वाली भ्रांतियाँ भी समाप्त होती है।



30 नवम्बर, 2015 एवं 31 दिसम्बर, 2015 को सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी



एसीपी श्री शेर सिंह रमेला
(पीटीसी)



एसीपी श्री रमेश चन्द्र सब्बरवाल
(चतुर्थ वाहिनी)



अति.आ.पु. श्री रामकुमार वर्मा
(विशेष शाखा)



एसीपी श्री बलराज सिंह दहिया
(दक्षिण-पश्चिमी जिला)



एसीपी श्री जगबीर सिंह मलिक
(पश्चिमी जिला)



एसीपी श्री मीर सिंह
(बाहरी जिला)



एसीपी श्री कृष्ण कुमार
(तृतीय वाहिनी)



एसीपी श्री विजय मोहन वधवा
(सुरक्षा)



एसीपी श्री राजेन्द्र सिंह
(डीईसेल)

दिल्ली पुलिस परिवार सभी सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों की दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है।



दिल्ली पुलिस कल्याण समिति के तत्वाधान में राष्ट्रीय जूट बोर्ड की मदद से विकासपुरी स्थिति पुलिस कॉम्पलैक्स में 21 दिवसीय जूट प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 17 दिसम्बर, 2015 को विकासपुरी पुलिस परिसर में आयोजित समापन कार्यक्रम में **विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस.वासूदेवा राव** ने जूट बोर्ड के अधिकारियों का आभार प्रकट करते हुए जूट बैग का प्रशिक्षण पाने वालों को इस अनुभव का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर राष्ट्रीय जूट बोर्ड के निदेशक श्री किशन सिंह, उपायुक्त पुलिस श्री एस.के.सिन्हा व श्री आसिफ मोहम्मद तथा दिल्ली पुलिस कल्याण समिति की महिला पदाधिकारी उपस्थित थी।

नव वर्ष 2016 की हार्दिक शुभकामनाएं

2016
HAPPY NEW YEAR

दिल्ली पुलिस के सभी अधिकारियों/कर्मियों एवं उनके परिजनों को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ। नव वर्ष में नई-नई सफलताएँ अर्जित करते हुए आप सभी पुलिस विभाग का गौरव बढ़ाने और उज्ज्वल छवि स्थापित करने में सफल हों।





सम्पादक

सम्पादक : जन-सम्पर्क अधिकारी, दिल्ली पुलिस श्री राजन भगत
एवं सह-सम्पादक : उप-नि. सतबीर सिंह, पुलिस मुख्यालय, नई दिल्ली।



सह-सम्पादक